सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

दिल्ली प्रीमियर लीग में दो नई टीमें जुड़ी, ऋषभ पंत सहित 10 से अधिक आईपीएल खिलाड़ी नीलामी मे.. -पेज: 7

डेब्यू के समय ऋतिक से तुलना पर अभिषेक बच्चन बोले..... -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 84 | बुधवार 02 जुलाई 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

2 साल में 3.5 करोड़ नौकरियां, नई खेल नीति... मोदी सरकार ने इन 3 बड़े फैसलों पर लगाई मुहर

नई दिल्ली (एजेंसी): केंद्र की मोदी सरकार ने कैबिनेट मीटिंग में कई बड़े फैसले लिए। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार (01 जुलाई, 2025) को बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना, खेल से जुड़ी खेलो भारत नीति, रिसर्च एंड डेवलेपमेंट के अलावा तमिलनाडु में परमकुडी-रामनाथपुरम नेशनल हाईवे को चार लेन का बनाने के लिए मंजूरी दी। कैबिनेट प्रेस ब्रीफिंग के दौरान उन्होंने बताया कि कैबिनेट ने सभी क्षेत्रों में रोजगार सृजन, रोजगार क्षमता और सामाजिक सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन (ईएलआई) योजना को मंजूरी दी। योजना का लक्ष्य 2 वर्षों में देश में 3.5 करोड़ से अधिक नौकरियों के सृजन को प्रोत्साहित करना है। इसका कुल बजट: 99,446 करोड़ रुपये है। खेलो भारत नीति को दी मंजूरी केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने आज राष्ट्रीय खेल नीति (एनएसपी) 2025 को मंजूरी दे दी। यह एक

बयान में ये भी कहा गया है कि बिहार की 2003 की मतदाता सूची पिछली गहन समीक्षा के बाद प्रकाशित हुई थी। इसकी उपलब्धता आसान होने से राज्य में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में काफी सुविधा होगी क्योंकि अब कुल मतदाताओं में से लगभग 60 प्रतिशत लोगों को कोई दस्तावेज पेश करना नहीं पड़ेगा।

ऐतिहासिक पहल है जिसका उद्देश्य देश के खेल परिदृश्य को नया आकार देना और खेलों के माध्यम से नागरिकों को सशक्त बनाना है। नई नीति मौजूदा राष्ट्रीय खेल नीति, 2001 की जगह लेती है, साथ ही भारत को एक वैश्विक खेल महाशक्ति के रूप में स्थापित करने और 2036 ओलंपिक खेलों सहित अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों में उत्कृष्टता के लिए एक मजबूत दावेदार के रूप में स्थापित करने के लिए एक दूरदर्शी और रणनीतिक रोडमैप पेश करती है। रिसर्च एंड डेवलेपमेंट भारत के रिसर्च एंड डेवलेपमेंट के पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए एक परिवर्तनकारी कदम के रूप में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक लाख करोड़ रुपये की निधि के साथ अनुसंधान विकास और नवाचार (आरडीआई) योजना को मंजूरी दे दी है। आरडीआई योजना का उद्देश्य आरडीआई में निजी क्षेत्र के निवेश को बढ़ावा देने के लिए कम या शून्य ब्याज दरों पर लंबी अवधि के साथ दीर्घकालिक वित्तपोषण या पुनर्वित्त प्रदान करना है। यह योजना निजी क्षेत्र के वित्तपोषण में बाधाओं और चुनौतियों को दूर करने के लिए डिजाइन की गई है और नवाचार को सुविधाजनक बनाने, प्रौद्योगिकी को अपनाने को बढ़ावा देने और प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के लिए उभरते और रणनीतिक क्षेत्रों को विकास और जोखिम पूंजी प्रदान करने का प्रयास करती है। तमिनाडु को मोदी सरकार का तोहफा मंत्रिमंडल ने तमिलनाडु में परमाकुडी-रामनाथपुरम खंड के 4-लेन निर्माण को मंजूरी दी। खंड की कुल लंबाई 46.7 किमी है और परियोजना लागत 1,853 करोड़ रुपये है। दक्षिणी तमिलनाडु के प्रमुख आर्थिक, सामाजिक और लॉजिस्टिक्स नोड्स को निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। मौजूदा समय में, मदुरै, परमकुडी, रामनाथपुरम, मंडपम, रामेश्वरम और धनुषकोडी के बीच संपर्क मौजूदा 2-लेन राष्ट्रीय राजमार्ग 87 (एनएच-87) और संबंधित राज्य राजमार्गों पर निर्भर है, जिस वजह से इस राजमार्ग पर भीड़भाड़ रहती है और लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

पशुपालन के बिना खेती लाभ का धंधा नहीं बन सकती: शिवराज सिंह चौहान

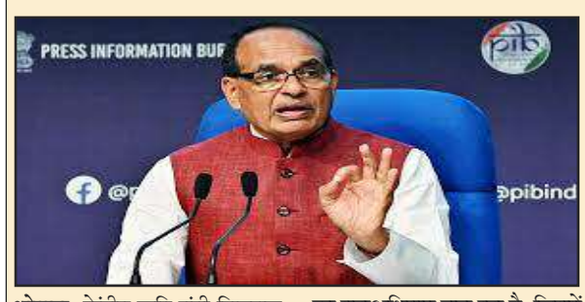

भोपाल: केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को कहा कि पशुपालन अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसके बिना खेती लाभ का धंधा नहीं बन सकती। यहां भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) के 11वें दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की उपस्थिति में चौहान ने उपाधिधारकों का आह्वान करते हुए कहा ,पशुपालन के बिना खेती लाभकारी नहीं हो सकती है, इसलिए यह आज भी महत्वपूर्ण है तथा आगे और भी काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शक्तिशाली, विकसित भारत का महाअभियान चल रहा है, जिसमें पशुपालन का बड़ा योगदान है। चौहान ने विद्यार्थियों के लिए भांजे-भांजियों के संबोधन से अपनी बात शुरू करते हुए कहा कि सौभाग्य से हमारे बीच पधारीं भारत की महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू में ज्ञान, भक्ति और कर्म तीनों का संगम दिखाई देता है। उन्होंने राष्ट्रपति के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने उपाधिधारकों को लक्ष्य करते हुए कहा कि यह समारोह केवल डिग्री प्राप्त करने का नहीं है, डिग्री प्राप्त करने के बाद आपके कंधों पर नया उत्तरदायित्व आया है, आपकी ये उपाधि देश की सेवा के लिए है।

क्या जाएगी कर्नाटक के सीएम सिद्दरमैया की कुर्सी? रणदीप सुरजेवाला ने किया साफ, कांग्रेस विधायकों को दी सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी): कर्नाटक में सीएम बदलने को लेकर चल रहे कयासों पर कांग्रेस आलाकमान ने ब्रेक लगा दिया है। कर्नाटक के कांग्रस प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने साफ कर दिया है कि सूबे के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ही रहेंगे। इससे पहले पार्टी के विधायक इकबाल हुसैन ने दावा किया था कि सीएम सिद्दरमैया की कुर्सी पर डीके शिवकुमार काबिज हो सकते हैं। विधायक इकबाल ने यहां तक कहा दिया था कि डीके शिवकुमार के पक्ष में करीब 100 विधायक है और ये विधायक उन्हें मुख्यमंत्री देखना चाहते हैं। लेकिन अब कांग्रेस की ओर से सीधे तौर पर कहा गया है कि सीएम सिद्दरमैया ही सीएम बने रहेंगे। क्या बोले सुरजेवाला? प्रेस कॉन्फ्रेंस के

कांग्रेस आलाकमान ने कर्नाटक में लीडरशिप चेंज के सस्पेंस को खत्म कर दिया है। रणदीप सुरजेवाला ने बताया कि कौन कर्नाटक का सीएम रहेगा।

दौरान सुरजेवाला ने कहा, आप में से कुछ लोगों ने लीडरशिप चेंज को लेकर मेरी राय मांगी थी। मैं आज भी वही जवाब दे रहा हूं जो मैंने कल दी थी। ये जवाब सिर्फ एक शब्द में 'नो' है।" कांग्रेस नेता ने कहा, "हम विधायकों और सांसदों से मिल रहे हैं। हम यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्रों में क्या काम किया है। उनके प्रदर्शन की समीक्षा करना अहम है।" उन्होंने कहा कि पांच गारंटियों को लागू किए जाने की स्थिति को देखना जरूरी है, जिसमें महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा भी शामिल है। सुरजेवाला ने आरोप लगाते हुए कहा, "लीडरशिप चेंज को लेकर बीजेपी ने हौवा बनाया था। वे चाहते हैं कि गारंटियों को बंद कर दिया जाए। मैं दोहराता हूं कि आर अशोक से लेकर विजयेंद्र तक भाजपा के नेता पांच गारंटियों को रोकना चाहते हैं। वे चाहते हैं कि 58,000 करोड़ रुपये पारदर्शी तरीके से कन्नड़ लोगों की जेब में न जाएं।"

'भगवान करें हम पर टिप्पणी करने वालो की रोटी पचती रहे', धीरेंद्र शास्त्री का अखिलेश यादव पर पलटवार

छतरपुर (एजेंसी): बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री करीब एक महीने की विदेश यात्रा के बाद मध्य प्रदेश के छतरपुर लौट आए हैं। विदेश से लौटने के बाद उन्होंने उत्तर प्रदेश के इटावा में कथावाचक के साथ हुई मारपीट की घटना पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इस घटना को 'बेहद शर्मनाक और निंदनीय' बताया। राजनीति पर भी बोले शास्त्री धीरेंद्र शास्त्री ने जातिवाद, क्षेत्रवाद और भाषावाद के आधार पर की जा रही राजनीति की भी आलोचना की। बिना किसी का नाम लिए उन्होंने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'हमारे जीवन में बोलने से कहीं ज्यादा सहना पड़ता है। मैंने पहले भी कहा है - आ बैठ मेरे पास, मैं तुझे जीना सिखाऊंगा। कुछ पल मेरे साथ बिता,

मैं तुझे दुख और तकलीफें सहना सिखाऊंगा। मैंने बातों से नहीं, रातों से संघर्ष किया है। मैंने हर दर्द सहकर खुद को साधु बनाया है, तभी आज इस स्थान पर खड़ा हूं। यह जीवन आसान नहीं, बल्कि संघर्षों और चुनौतियों से भरा है। हम पर टिप्पणी करने वालो की रोटी पच रही है, भगवान करें उनकी रोटी पचती रहे। लेकिन हम तो सनातन धर्म के लिए ही जीएंगे और उसी के लिए मरेंगे। हम हिंदुओं के लिए जिएंगे और हिंदुओं के लिए मरेंगे।' क्या बोले थे अखिलेश यादव? यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि, 'आजकल कथावाचक 50 लाख तक लेते हैं। किसी में ताकत है कि धीरेंद्र शास्त्री को अपने घर बुला ले। कई कथावाचक तो लाखों रुपए अंडर टेबल लेते हैं। पता करवा लीजिए कि धीरेंद्र शास्त्री तो ऐसा नहीं करते क्या?' इस बयान के जवाब में धीरेंद्र शास्त्री ने परोक्ष रूप से जवाब दिया, लेकिन अखिलेश यादव का नाम नहीं लिया। जनमदिन पर कैंसर अस्पताल के लिए ईंट का दान मांगा धीरेंद्र शास्त्री ने अपने जन्मदिन (4 जुलाई) के मौके पर एक खास अपील की है। उन्होंने कहा कि, '4 जुलाई को मेरा जन्मदिन है, और इस दिन हमारी आयु का एक वर्ष और कम हो जाएगा। जन्मदिन पूरी धूमधाम से मनाया जाएगा। मैं सभी से निवेदन करता हूं कि इस अवसर पर कोई उपहार न देकर अस्पताल निर्माण के लिए एक-एक ईंट दान करें।

अन्नाद्रमुक पर कोई हावी नहीं हो सकता, पलानी स्वामी ने बीजेपी संग गठबंधन का किया बचाव

तमिलनाडु (एजेंसी): एआ ईए डी एमके महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी ने भाजपा के साथ अपनी पार्टी के गठबंधन का जोरदार बचाव करते हुए कहा कि कोई भी, चाहे वह कितना भी बड़ा क्यों न हो, एआईएडीएमके पर हावी नहीं हो सकता, एक ऐसी पार्टी जिसने तमिलनाडु में 30 से अधिक वर्षों तक शासन किया है। रविवार को कल्लाकुरिची में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, पूर्व मुख्यमंत्री ने इस आलोचना को खारिज कर दिया कि भाजपा गठबंधन में एआई एडीएमके पर हावी हो जाएगी। पलानीस्वामी ने कहा, "हमारी पार्टी 50 साल से अधिक पुरानी है। इसने तमिलनाडु पर 31 साल तक शासन किया है। कोई भी ऐसी पार्टी पर हावी नहीं हो सकता। उनकी यह टिप्पणी सत्तारूढ़ द्रमुक और उसके सहयोगी वीसीके की कड़ी आलोचना के बीच आई है, जिन्होंने 2026 के

विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा के साथ अन्नाद्रमुक के गठजोड़ की आलोचना की है। पलानीस्वामी ने यह भी स्पष्ट किया कि भाजपा गठबंधन व्यापक गठबंधन बनाने की दिशा में पहला चरण मात्र है। 2026 में सत्ता में वापसी को लेकर आश्वस्त उन्होंने कहा कि हम सबसे बड़ी पार्टी के रूप में बहुमत के साथ सरकार बनाएंगे।" पिछले सप्ताह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) तमिलनाडु में सरकार बनाएगा, जिसमें भाजपा भी शामिल होगी। शाह ने एक क्षेत्रीय दैनिक को दिए साक्षात्कार में कहा, "भाजपा और एआईएडीएमके का एनडीए गठबंधन अगले साल तमिलनाडु में सरकार बनाने जा रहा है।" उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार एआईएडीएमके से होगा; हालांकि, उन्होंने पार्टी के मौजूदा महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी (ईपीएस) का नाम नहीं लिया।

मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे प्रियांक खड़गे का बड़ा बयान, कहा- केंद्र की सत्ता में आते ही आरएसएस को देशभर में कर देंगे बैन

नई दिल्ली (एजेंसी): कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पुत्र और कर्नाटक सरकार में मंत्री प्रियांक खड़गे ने बड़ा बयान देते हुए कहा है कि यदि कांग्रेस फिर से केंद्र में सत्ता में आती है, तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को पूरे देश में बैन किया जाएगा। प्रियांक के इस बयान ने राजनीतिक बहस को फिर से गरमा दिया है। प्रियांक खड़गे ने आरोप लगाया कि देश में नफरत और सांप्रदायिक हिंसा फैलाने का जिम्मेदार फर है। उन्होंने कहा कि संघ अपनी राजनीतिक शाखा भाजपा से यह सवाल नहीं पूछती कि देश में बढ़ती बेरोजगारी के लिए कौन जिम्मेदार है और हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जांच क्यों नहीं होती। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सत्ता में आने के बाद कानूनी प्रक्रिया के तहत आरएसएस को प्रतिबंधित करेगी। आरएसएस के वित्तीय स्त्रोतों और गतिविधियों की जांच नहीं होती- मंत्री प्रियांक मंत्री प्रियांक ने यह भी सवाल उठाया कि ईडी और आयकर विभाग जैसी जांच एजेंसाएं केवल विपक्ष को

ही क्यों निशाना बनाती हैं, जबकि फर के वित्तीय स्त्रोतों और गतिविधियों की जांच नहीं होती। उन्होंने कहा कि संघ के नेताओं की हेट स्पीच और संविधान के खिलाफ बयानों की भी जांच होनी चाहिए।' पीएम मोदी और नड्डा ही भाजपा के असली हाईकमान' यह विवाद तब और बढ़ा जब प्रियांक खड़गे ने भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या के बयान का जवाब देते हुए कहा कि भाजपा का असली हाईकमान मोदी और नड्डा हैं और प्रधानमंत्री जब मुश्किल हालात होते हैं तो संसद नहीं जाकर सीधे आरएसएस के मुख्यालय नागपुर चले जाते हैं। उन्होंने सूर्या को चुनौती दी कि वे जोर से कहें कि उन्हें आरएसएस की जरूरत नहीं है। नफरत फैलाने वाले संगठनों पर सख्त कार्रवाई का वादा यह पहला मौका नहीं है जब प्रियांक ने ऐसे कड़े बयान दिए हैं। दो साल पहले भी उन्होंने कर्नाटक में सांप्रदायिक हिंसा भड़काने वाले संगठनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कही थी। कांग्रेस ने अपने राज्य घोषणापत्र में बजरंग दल, पीएफआई जैसे समूहों को बैन करने का वादा भी किया है। इतना ही नहीं, उन्होंने स्पष्ट कहा था कि यदि कोई भी संगठन शांति भंग करने की कोशिश करेगा, चाहे वह कोई भी हो, उस पर कार्रवाई की जाएगी। आरएसएस पर तीन बार लग चुका है बैन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना 27 सितंबर 1925 को केशव बलराम हेडगेवार ने की थी। संघ पर अब तक 3 बार बैन लगाया जा चुका है–1948 में गांधी की हत्या के बाद, 1975 में इमरजेंसी के दौरान और 1992 में बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद। हालांकि हर बार यह प्रतिबंध कुछ महीनों या सालों के बाद हटाया गया।

'परमाणु हमले की धमकी से डरे नहीं दुनिया', यूएन मुख्यालय में जयशंकर बोले- आतंकवाद के खिलाफ आवाज उठाए

नई दिल्ली (एजेंसी): भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र में आतंकवाद के खिलाफ कड़ा रुख अख्तियार करते हुए दुनिया को एकजुट होने की अपील की। उन्होंने कहा कि आतंकियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाना चाहिए। जयशंकर ने कहा कि आतंवादी संगठन कुछ देशों के पॉक्सी के तौर पर काम करते हैं। इसलिए ऐसा करने नहीं देना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने वैश्विक समुदाय से अपील की है कि किसी देश के परमाणु ब्लैकमेल के सामने नहीं झुकना चाहिए। पहलगाम हमले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारत का पलटवार आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस का साफ पैगाम देता है। एस जयशंकर तीन दिन के अमेरिका दौरे पर हैं। वहां उन्होंने ने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में 'आतंकवाद का मानवीय नुकसान' नामक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। यह प्रदर्शनी 30 जून से 3 जुलाई और 7 से 11 जुलाई तक दो स्थानों पर प्रदर्शित होगी। यह उद्घाटन ऐसे समय हुआ जब मंगलवार को पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता शुरू करने जा रहा है। 'आतंकवाद कहीं भी हो, वह हर जगह शांति के लिए खतरा' जयशंकर ने अप्रैल 22 के पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने इस हमले की कड़ी निंदा की थी और

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र में आतंकवाद के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए दुनिया से एकजुट होने का आह्वान किया।

इसके जिम्मेदार आतंकियों को सजा देने की मांग की थी। भारत ने इस हमले के दो हफ्ते बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया, जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकी ढांचे को निशाना बनाया गया। उन्होंने जोर देकर कहा, "किसी भी देश की ओर से आतंकवाद को समर्थन देने को बेनकाब करना होगा और उसका मुकाबला करना होगा।" जयशंकर ने कहा कि आतंकवाद कहीं भी हो, वह हर जगह शांति के लिए खतरा है। दुनिया को इस समझ के साथ एकजुट होकर जवाब देना होगा। इंसानियत का सबसे बड़ा दुश्मन है आतंकवादः विदेश मंत्री जयशंकर विदेश मंत्री ने कहा कि आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। यह संयुक्त राष्ट्र के मूल्यों जैसे मानवाधिकार, नियम-कानून और देशों के बीच आपसी रिश्तों के बिल्कुल खिलाफ है। उन्होंने कहा, "जब कोई देश अपने पड़ोसी के खिलाफ आतंकवाद को बढ़ावा देता है, जब कट्टरता इसे हवा देती है, जब यह कई गैरकानूनी गतिविधियों को जन्म देता है, तब इसे दुनिया के सामने बेनकाब करना जरूरी है।" प्रदर्शनी में 1993 के मुंबई बम धमाकों, 2008 के मुंबई हमलों और पहलगाम हमले जैसे आतंकी कृत्यों को दशार्या गया है। इसमें पाकिस्तान आधारित कई आतंकी संगठनों और व्यक्तियों के नाम भी शामिल हैं। जयशंकर ने कहा कि यह प्रदर्शनी आतंकवाद के शिकार हुए लोगों की आवाज को बुलंद करने का एक छोटा लेकिन दृढ़ प्रयास है। उन्होंने जोर दिया कि आतंकवाद के शिकार परिवारों का दर्द हमें याद दिलाता है कि इसे हर रूप में खत्म करने की जिम्मेदारी हमारी साझा है। संयुक्त राष्ट्र में हमें सिर्फ याद नहीं करना, बल्कि उन मूल्यों और मानवाधिकारों की रक्षा के लिए कदम उठाने होंगे जिन्हें आतंकवाद नष्ट करना चाहता है।

संपादकीय

हिन्दी पर सियासी संग्राम

महाराष्ट्र के विद्यालयों में पहली कक्षा से हिन्दी भाषा को शामिल करने के खिलाफ बढ़ते विरोध के दरम्यान मंत्रिमंडल ने त्रि-भाषा नीति पर सरकारी आदेश को रद्द कर दिया। भाषा नीति के कार्यान्वयन व आगे की राह सुझाने के लिए शिक्षाविद् की अध्यक्षता में समिति का गठन करने की घोषणा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस ने की। राज्य सरकार ने अप्रैल मध्य में आदेश जारी किया था कि अंग्रेजी व मराठी माध्यम स्कूलों के छात्रों के लिए पहली से पांचवीं कक्षा तक हिन्दी को तीसरी अनिवार्य भाषा बनाया गया था, परंतु जबरदस्त विरोध के चलते महीने भर बाद ही संशोधित सरकारी आदेश द्वारा हिन्दी को वैकल्पिक विषय बता दिया गया। आदेश को रद्द करते हुए मुख्यमंत्री ने दलीलें दीं, कि मुख्यमंत्री रहते हुए उद्धव ठाकरे द्वारा कक्षा एक से बारह तक तीन भाषा नीति लागू करने की सिफारिशें स्वीकारी थीं व कार्यान्वयन पर सामिति गठित की थीं। भाषा विवाद देश में नया नहीं है। दक्षिण के कई राज्य हिन्दी का सिर्फ विरोध ही नहीं करते रहे हैं बल्कि इसे थोपे जाने के आरोप भी मढ़ते रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में त्रि-भाषा लागू करने की बात की गई है। जिसमें कम-से-कम दो भाषाएं भारत की मूल होनी अनिवार्य है। तीसरी भाषा का चयन छात्र/राज्य व क्षेत्र के अनुरूप करने की बात की गई। मगर स्थानीय राजनीतिक दलों ने इसे मुद्दा बनाया और वे पूर्वाग्रह से हिन्दी थोपने का विरोध करने में जुट गए। बेशक राज्यों में सरकारी नौकरियों के लिए उम्मीदवारों से स्थानीय भाषा के ज्ञान की अनिवार्यता अभी भी है। महाराष्ट्र में बहुसंख्य लोग मराठी बोलते हैं। यह देश में प्रयोग की जाते वाली भाषाओं में तीसरा स्थान रखती है, जिसे पश्चिम भारत के अन्य राज्यों में भी खूब प्रयोग किया जाता है। बावजूद इसके भाषा विवाद में जबरन हिन्दी को घसीटना सिर्फ राजनीतिक कीचड़ उछालने का दस्तूर बन गया है, जिस पर सरकार को कड़ा निर्णय लेना चाहिए। किसी भी राष्ट्रीय नीति को लेकर राज्यों को सहिष्णुता बरतनी चाहिए। केंद्र को इस पर दखलंदाजी करने पर संकोच नहीं करना चाहिए। जब तीसरी भाषा का चुनाव छात्रों के इख्तियार में है, वे स्वेच्छापूर्वक न चाहें तो उन्हें मजबूर नहीं किया जा सकता। सरकार का इस तरह का ढुलमुल रवैया उचित नहीं। अंग्रेजी पर बढ़ती निर्भरता और जरूरत को सहजतापूर्वक स्वीकारने वालों को एकता व अखंडता का सम्मान करते हुए जनता को यह इख्तियार देना होगा। भाषाओं की अपनी गरिमा व सम्मान है, उसके प्रति द्वेष कतई उचित नहीं है।

चिंतन-मनन

हर जीव में व्याप्त नारायण

वैदिक साहित्य से हम जानते हैं कि परम-पुरुष नारायण प्रत्येक जीव के बाहर तथा भीतर निवास करने वाले है। वे भौतिक तथा आध्यात्मिक दोनों जगतों में विद्यमान हैं। यद्यपि वे बहुत दूर हैं, फिर भी हमारे निकट हैं- आसीनो दूरं व्रजति शयानो याति सर्वतरू हम भौतिक इन्द्रियों से न तो उन्हें देख पाते हैं, न समझ पाते हैं अतएव वैदिक भाषा में कहा गया है कि उन्हें समझने में हमारा भौतिक मन तथा इन्द्रियां असमर्थ हैं।

किन्तु जिसने, भक्ति में कृष्णभावनामृत का अभ्यास करते हुए, अपने मन-इन्द्रियों को शुद्ध कर लिया है, वह उन्हें निरन्तर देख सकता है। ब्रह्मसंहिता के अनुसार परमेर के लिए जिस भक्त में प्रेम उपज चुका है, वह निरन्तर उनके दर्शन कर सकता है। और भगवद्गीता में कहा गया है कि उन्हें केवल भक्ति द्वारा देखा-समझा जा सकता है। भगवान सबके हृदय में परमात्मा रूप में स्थित हैं। तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि वे बंटे हुए हैं? नहीं। वास्तव में वे एक हैं। जैसे सूर्य मध्याह्न समय अपने स्थान पर रहता है, लेकिन यदि कोई पांच हजार मील की दूरी पर घूमे और पूछे कि सूर्य कहां है, तो सभी कहेंगे कि वह उसके सिर पर चमक रहा है। इस उदाहरण का अर्थ है कि यद्यपि भगवान अविभाजित हैं, लेकिन इस प्रकार स्थित हैं मानो विभाजित होंवैदिक साहित्य में यह भी कहा गया है कि अपनी सर्वशक्तिमत्ता द्वारा एक विष्णु सर्वत्र विद्यमान हैं। जिस तरह एक सूर्य की प्रतीति अनेक स्थानों में होती है। यद्यपि परमेर प्रत्येक जीव के पालनकर्ता हैं, किन्तु प्रलय के समय सबका भक्षण भी कर जाते हैं। सृष्टि रची जाती है, तो वे सबको मूल स्थिति से विकसित करते हैं और प्रलय के समय सबको निगल जाते हैं। वैदिक शास्त्र पुष्टि करते हैं कि वे समस्त जीवों के मूल तथा आश्रय-स्थल हैं। सृष्टि के बाद सारी वस्तुएं उनकी सर्वशक्तिमत्ता पर टिकी रहती हैं और प्रलय बाद सारी वस्तुएं पुनः उन्हीं में विश्राम पाने के लिए लौट आती हैं।

कटाक्ष

तुम्हारी सम्पदा है निष्ठा

अब विश्व गुरु के आसन पर मोदी जी के इंडिया की इससे बढ़कर ताजपोशी क्या होगी? अब तो विश्व आर्थिक फोरम तक कह रहा है कि भारत नंबर वन है। और ऐसे-वैसे मामले में नहीं, इन्फार्मेशन के मामले नंबर वन है। बताइए, जिस युग को ही सूचना का युग माना जाता है, उस युग में भी सूचना के मामले में नंबर वन। न सही सिंपल इन्फार्मेशन, मिसइन्फार्मेशन और डिसइन्फार्मेशन ही सही, हुआ तो इन्फार्मेशन का ही मामला। जब बदनाम होने में नाम हुआ माना जा सकता है, तो क्या मिस या डिस इन्फार्मेशन में अक्खा वर्ल्ड में नंबर वन होने को, विश्व गुरु का ताज नहीं माना जा सकता है। और यह भी विश्व गुरु वाले ही लक्षण हैं बल्कि सार्टिफिकेट ही कहिए कि गुजर जाने के तीन सौ साल बाद भी औरंगजेब, मुंबई से लेकर लखनऊ तक, विधानसभाओं में छाया हुआ है। मुंबई में उसे न कम न ज्यादा, बस बाकी बादशाहों जैसा ही बादशाह बताने वालों को, पानी पी-पीकर कोसा ही नहीं जा रहा है बल्कि विधानसभा से सस्पेंड भी किया जा रहा है, तो लखनऊ में ऐसे लोगों को दुरुस्त करने का ठेका खोला जा रहा है। गली के खलीफा की बोली में कहा जा रहा है कि यहां भेज दो, हमें अच्छी तरह ठीक करना आता है! वाह भई औरंगजेब जीते जी तूने जो किया न किया, पर भूत बनकर भगवा सरकारों के खूब काम आ रहा है। मुंबई में मंत्रिमंडल से धनंजय मुंडे के इस्तीफे के बाद भी, सतीश देशमुख की हत्या के मामले को दबाने के काम आ रहा है। और लखनऊ में योगी जी के इसके रहस्योद्घाटन से ध्यान हटाने के काम आ रहा है कि कुंभ में मौनी अमावस्या पर भगदड़ हुई थी, एक से ज्यादा जगह भगदड़ हुई थी, भगदड़ में मौतें हुई थीं, पर मौतें दिन भर छिपाई गई थीं, कि कहीं भगदड़ न हो जाए। औरंगजेब तू तो वाकई बड़े काम की चीज है। बस जरा मोदी जी के भी काम आकर और दिखा दे; नौजवानों के बेरोजगारी, महंगाई टाइप के गम भुला दे। विश्व गुरु का ताज तो तभी हमारा हो गया था, जब फेक न्यूज में हमें दुनिया में नंबर वन घोषित किया गया था। अब तो मिस-डिस इन्फार्मेशन में भी नंबर वन घोषित हो लिए। ताजपोशी के लिए विश्व गुरु से और कितना इंतजार कराएगी, ओ दुनिया!

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

मध्यम वर्गीय परिवार नहीं फंसे ऋण के जाल में

प्रहलाद सबनानी

हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो दर में 50 आधार बिंदुओं की कमी की है। इसके साथ ही, निजी क्षेत्र के बैंकों, सरकारी क्षेत्र के बैंकों एवं क्रेडिट कार्ड कम्पनियों सहित अन्य वित्तीय संस्थानों ने भी अपने ग्राहकों को प्रदान की जा रही ऋणराशि पर लागू ब्याज दरों में कमी की घोषणा करना प्रारम्भ कर दिया है ताकि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में की गई कमी का लाभ शीघ्र ही भारत में ऋणदाताओं तक पहुंच सके एवं इससे अंततः देश की अर्थव्यवस्था को बल मिल सके। भारत में चूंकि अब मुद्रा स्फीति की दर नियंत्रण में आ गई है, अतः आगे आने वाले समय में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में और अधिक कमी की जा सकती है। इस प्रकार, बहुत सम्भव है ऋणराशि पर लागू ब्याज दरों में कमी के बाद कई नागरिक जिन्होंने पूर्व में कभी बैंकों से ऋण नहीं लिया है, वे भी ऋण लेने का प्रयास करें। बैंक से ऋण लेने से पूर्व इस बात का ध्यान रखना आवश्यक है कि इस ऋण को चुकता करने की क्षमता भी ऋणदाता में होनी चाहिए अर्थात ऋणदाता की पर्याप्त मासिक आय होनी चाहिए ताकि बैंकों द्वारा प्रदत्त ऋण की किश्त एवं ब्याज का भुगतान पूर्व निर्धारित समय सीमा के अंदर किया जा सके। इस संदर्भ में विशेष रूप से युवा ऋणदाताओं द्वारा क्रेडिट कार्ड के उपयोग पश्चात संबंधित राशि का भुगतान समय सीमा के अंदर अवश्य करना चाहिए क्योंकि अन्यथा क्रेडिट कार्ड एजेंसी द्वारा चूक की गई राशि पर भारी मात्रा में ब्याज वसूला जाता है, जिससे युवा ऋणदाता ऋण के जाल में फंस जाते हैं।

बैंकों से लिए गए ऋण की मासिक किश्त एवं इस ऋणराशि पर ब्याज का भुगतान यदि निर्धारित समय सीमा के अंदर नहीं किया जाता है तो चूककर्ता ऋणदाता से बैंकों द्वारा दंडात्मक ब्याज की वसूली की जाती है। इसी प्रकार, कई नागरिक जो क्रेडिट कार्ड का उपयोग करते हैं एवं इस क्रेडिट कार्ड के विरुद्ध उपयोग की गई राशि का भुगतान यदि वे निर्धारित समय सीमा के अंदर नहीं कर पाते हैं तो इस राशि पर चूक किए गए क्रेडिट कार्ड धारकों से भारी भरकम ब्याज की दर से दंड वसूला जाता है। कभी कभी तो दंड की यह दर 18 प्रतिशत से 24 प्रतिशत के बीच रहती है। क्रेडिट कार्ड का उपयोग करने वाले नागरिक कई बार इस उच्च ब्याज दर पर वसूली जाने वाली दंड की राशि से अनभिज्ञ रहते हैं। अतः बैंकों से ली जाने वाली ऋणराशि एवं क्रेडिट कार्ड के विरुद्ध उपयोग की जाने वाली राशि का समय पर भुगतान करने के प्रति ऋणदाताओं को सजग रहने की आवश्यकता है।

कुल मिलाकर यह ऋणदाताओं के हित में है कि वे बैंक से लिए जाने वाले ऋण की राशि तथा ब्याज की राशि एवं क्रेडिट कार्ड के विरुद्ध उपयोग की जाने वाली राशि का पूर्व निर्धारित एवं उचित समय सीमा के अंदर भुगतान करें क्योंकि अन्यथा की स्थिति में उस चूककर्ता नागरिक की क्रेडिट रेटिंग पर विपरीत प्रभाव पड़ता है एवं आगे आने वाले समय में उसे किसी भी वित्तीय संस्थान से ऋण प्राप्त करने में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है एवं बहुत सम्भव है कि भविष्य में उसे किसी भी वित्तीय संस्थान से ऋण प्राप्त ही न हो सके।

ऋणदाता यदि किसी प्रामाणिक कारणवश अपनी किश्त एवं ब्याज का बैंकों अथवा क्रेडिट कार्ड कम्पनी को समय पर भुगतान नहीं कर पाता है और उसका ऋण खाता यदि गैर निष्पादनकारी आस्ति में परिवर्तित हो जाता है तो इस संदर्भ में चूककर्ता ऋणदाता द्वारा बैंकों को समझौता प्रस्ताव दिए जाने का प्रावधान भी है। इस समझौता प्रस्ताव के माध्यम से चूककर्ता ऋणदाता द्वारा सम्बंधित बैंक अथवा क्रेडिट कार्ड कम्पनी को मासिक किश्त एवं ब्याज की राशि को पुनर्निर्धारित किए जाने के सम्बंध में निवेदन किया जा सकता है। परंतु, यदि ऋणदाता ऋण की पूरी राशि, ब्याज सहित, अदा करने में सक्षम नहीं है तो चूक की गई राशि में से कुछ राशि की छूट प्राप्त करने एवं शेष राशि को एकमुश्त अथवा किश्तों में अदा करने के सम्बंध में भी समझौता प्रस्ताव दे सकता है। ऋण की राशि अथवा ब्याज की राशि के सम्बंध के प्राप्त की गई छूट की राशि का रिकार्ड बनता है एवं समझौता प्रस्ताव के अंतर्गत प्राप्त छूट के चलते भविष्य में उस ऋणदाता को बैंकों से ऋण प्राप्त करने में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है, इस बात का ध्यान चूककर्ता ऋणदाता को रखना चाहिए। अतः जहां तक सम्भव को ऋणदाता द्वारा समझौता प्रस्ताव से भी बचा जाना चाहिए एवं अपनी ऋण की निर्धारित किश्तों एवं ब्याज का निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत भुगतान करना ही सबसे अच्छा रास्ता अथवा विकल्प है।

भारत में तेज गति से हो रही आर्थिक प्रगति के चलते मध्यमवर्गीय नागरिकों की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है, जिनके द्वारा चार पहिया वाहनों, स्कूटर, फ्रिज, टीवी, वॉशिंग मशीन एवं मकान आदि आस्तियों को खरीदने हेतु बैंकों अथवा अन्य वित्तीय संस्थानों से ऋण लिया जा रहा है। कई बार मध्यमवर्गीय परिवार एक दूसरे की देखा देखी आपस में होड़ करते हुए भी कई उत्पादों को खरीदने का प्रयास करते हुए दिखाई देते हैं, चाहे उस उत्पाद विशेष की आवश्यकता हो अथवा नहीं। उदाहरण के लिए एक पड़ौसी ने यदि अपने चार पहिया वाहन का एकदम नया मॉडल खरीदा है तो जिस पड़ौसी के पास पूर्व में ही चार पहिया वाहन उपलब्ध है वह पुराने मॉडल के वाहन को बेचकर पड़ौसी द्वारा खरीदे गए नए मॉडल के चार पहिया वाहन को खरीदने का प्रयास करता है और बैंक के ऋण के जाल में फंस जाता है। यह नव धनाडय वर्ग यदि बैंक से लिए गए ऋण की किश्त एवं ब्याज की राशि का निर्धारित समय सीमा के अंदर भुगतान नहीं कर पाता है तो उस नागरिक विशेष के वित्तीय रिकार्ड पर धब्बा लग सकता है जिससे उसके लिए उसके शेष जीवन में बैंकों एवं अन्य वित्तीय संस्थानों से पुनः ऋण लेने में कठिनाई आ सकती है। अतः बैंकों से ऋण प्राप्त करने वाले नागरिकों को ऋण की किश्त का समय पर भुगतना करना स्वयं उनके हित में हैं, ताकि भारत में तेज हो रही आर्थिक प्रगति का लाभ आगे आने वाले समय में भी समस्त नागरिक ले सकें।

भारत में तो यह कहा भी जाता है कि जिसके पास जितनी चादर हो, उतने ही पैर पसारने चाहिए। अर्थात, नागरिकों को बैंकों से ऋण लेते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि ऋण की किश्त एवं ब्याज की राशि का भुगतान करने लायक उनकी अतिरिक्त आय होनी चाहिए, ताकि ऋण की किश्तों एवं ब्याज की राशि का भुगतान निर्धारित समय सीमा के अंदर किया जा सके एवं उनका ऋण खाता गैर निष्पादनकारी आस्ति में परिवर्तित नहीं हो।

मोदी की विदेश यात्रा : वैश्विक भारत की सशक्त प्रस्तुति

डॉ. एस.पी. शाही

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 2 से 9 जुलाई, 2025 तक की अपनी विदेश यात्रा के दौरान घाना, त्रिनिदाद एवं टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया का दौरा करेंगे।

यह यात्रा रणनीतिक कूटनीतिक अभियान है, जो भारत के वैश्विक दृष्टिकोण, दक्षिण-दक्षिण सहयोग, बहुपक्षीय नेतृत्व और सांस्कृतिक जुड़ाव को मजबूती देने की दिशा में निर्णायक कदम है। यह दौरा न केवल इन देशों के साथ द्विपक्षीय रिश्तों को नई ऊर्जा देगा, बल्कि भारत की बहुपक्षीय उपस्थिति को वैश्विक स्तर पर और अधिक सशक्त करेगा।

घाना (2-3 जुलाई, 2025): अफ्रीकी साझेदारी का नया अध्याय

प्रधानमंत्री मोदी की यह घाना यात्रा उनकी पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी। लगभग तीन दशकों के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली घाना यात्रा होगी। यह यात्रा बताती है कि भारत अब अफ्रीकी देशों के साथ अपने रिश्तों को केवल ऐतिहासिक भाईचारे की भावना से नहीं, बल्कि सामरिक और आर्थिक दृष्टिकोण से भी देख रहा है।

त्रिनिदाद और टोबैगो (3-4 जुलाई, 2025): सांस्कृतिक रिश्तों को राजनीतिक सुदृढ़ता

त्रिनिदाद और टोबैगो गणराज्य की प्रधानमंत्री बिहार मूल की कमला परसाद-बिसेसर के निमंतण्रपर प्रधानमंत्री मोदी इस देश की आधिकारिक यात्रा करेंगे। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की 1999 के बाद पहली यात्रा होगी। यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री का त्रिनिदाद और टोबैगो की संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करना एक ऐतिहासिक क्षण होगा। यह भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं और विश्व मंच पर इसकी विचारधारा की प्रतिष्ठा को और सुदृढ़ करेगा। भारत और के बीच सांस्कृतिक और जन-जन के स्तर पर जो संबंध हैं, वह इस यात्रा का मूल आधार हैं।

अर्जेंटीना (4-5 जुलाई, 2025): रणनीतिक भागीदारी का विस्तार

प्रधानमंत्री अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली के निमंतण्रपर आधिकारिक यात्रा करेंगे। यह यात्रा भारत और अर्जेंटीना के बीच रणनीतिक भागीदारी को बहुआयामी स्वरूप देने का प्रयास है। रक्षा, कृषि, खनन, तेल और गैस, नवीकरणीय ऊर्जा, व्यापार और निवेश जैसे क्षेत्रों में सहयोग की समीक्षा और विस्तार यात्रा का केंद्र होगा।

ब्राजील (5-8 जुलाई, 2025): वैश्विक नेतृत्व में भारत की भूमिका

प्रधानमंत्री मोदी ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला दा सिल्वा के निमंतण्रपर ब्राजील की यात्रा पर होंगे। यहां वे 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। ब्रिक्स के संदर्भ में भारत की भूमिका को वैश्विक मंच पर उभारने का अवसर प्रदान करेगी। रियो डी जेनेरियो में होने वाले इस शिखर सम्मेलन में वैश्विक शासन में सुधार, बहुपक्षवाद को सशक्त बनाना, जलवायु परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता का जिम्मेदार उपयोग, वैश्विक स्वास्थ्य और वित्तीय स्थिरता जैसे मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान होगा। इसके बाद प्रधानमंत्री राजकीय यात्रा पर ब्रासीलिया जाएंगे, जहां वे राष्ट्रपति लूला के साथ व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष, तकनीक, कृषि और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में रणनीतिक साझेदारी पर चर्चा करेंगे।

नामीबिया (9 जुलाई, 2025): ऐतिहासिक संबंधों की पुनर्स्थापना

यात्रा के अंतिम चरण में प्रधानमंत्री नामीबिया गणराज्य के राष्ट्रपति डॉ. नेटुम्बो नंदी-नदैतवा के निमंतण्रपर नामीबिया की यात्रा करेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री न केवल राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय बातचीत करेंगे, बल्कि नामीबिया के संस्थापक पिता डॉ. सैम नुजोमा को श्रद्धांजलि भी अर्पित करेंगे। यह यात्रा भारत और नामीबिया के गहरे और बहुआयामी ऐतिहासिक संबंधों की पुष्टि करेगी।

प्रधानमंत्री मोदी की यह बहुपक्षीय यात्रा भारत की विदेश नीति की नवीन सोच, व्यापक दृष्टिकोण और आत्मनिर्भर कूटनीति का उदाहरण है। यह केवल समझौतों और घोषणाओं की यात्रा नहीं है, बल्कि भारत की वैश्विक जिम्मेदारी, लोकतांत्रिक मूल्य, और वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को विश्व समुदाय के सामने प्रस्तुत करने का सुनहरा अवसर है। यह यात्रा दक्षिण-दक्षिण सहयोग, वैश्विक दक्षिण के देशों के बीच पारस्परिकता, और भारत की एक सॉफ्ट पावर के साथ-साथ हार्ड पावर के रूप में बढ़ती भूमिका का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति उन देशों में हो रही है जहां भारत के साथ ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और रणनीतिक जुड़ाव की व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं। 2 से 9 जुलाई, 2025 की यह यात्रा निस्संदेह भारत के लिए एक ऐतिहासिक कूटनीतिक क्षण है, जो आने वाले वर्षों में भारत की वैश्विक नीति, आर्थिक विस्तार और सांस्कृतिक नेतृत्व को मजबूती देगा।

(लेखक मगध विवि के कुलपति और राजनीति विज्ञान के विद्वान हैं। लेख में विचार निजी हैं)

डिजिटल इंडिया का एक दशक, दुनिया अगली डिजिटल क्रांति के लिए भारत की ओर देख रही है

दस साल पहले, हमने एक ऐसे क्षेत्र में पूर्ण विश्वास के साथ ऐसी यात्रा शुरू की थी, जहां पहले कोई नहीं गया था।

जहाँ दशकों तक यह संदेह किया गया कि भारतीय तकनीक का उपयोग कर पाएंगे की नहीं, हमने उस सोच को बदला और भारतीयों की तकनीक का उपयोग करने की क्षमता पर विश्वास किया।

जहाँ दशकों तक सिर्फ यह सोचा गया कि तकनीक का उपयोग अमीर और गरीब के बीच की खाई को और गहरा करेगा, हमने उस मानसिकता को बदला और तकनीक के माध्यम से उस खाई को खत्म किया।

जब नीयत सही होती है, तो नवाचार वंचितों को सशक्त करता है। जब दृष्टिकोण समावेशी होता है, तो तकनीक हाशिए पर खड़े लोगों के जीवन में परिवर्तन लाती है।

यही विश्वास डिजिटल इंडिया की नींव बना- एक ऐसा मिशन जो सभी के लिए पहुंच को लोकतांत्रिक (आसान) बनाने, समावेशी डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने और अवसरों को उपलब्ध कराने के लिए शुरू हुआ।

2014 में, इंटरनेट की पहुंच सीमित थी, डिजिटल साक्षरता कम थी, और सरकारी सेवाओं की ऑनलाइन पहुंच बेहद सीमित थी। कई लोगों को संदेह था कि भारत जैसा विशाल और विविध देश वास्तव में डिजिटल बन सकता है या नहीं।

आज, इस प्रश्न का उत्तर डेटा और डैशबोर्ड में नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के जीवन के माध्यम से दिया जा चुका है। शासन से लेकर शिक्षा, लेन-देन और निर्माण तक, डिजिटल इंडिया हर जगह है।

- डिजिटल डिवाइड को पाटते हुए

2014 में भारत में लगभग 25 करोड़ इंटरनेट कनेक्शन थे। आज यह संख्या बढ़कर 97 करोड़ से अधिक हो चुकी है। 42 लाख किलोमीटर से अधिक ऑप्टिकल फाइबर केबल, जो पृथ्वी और चंद्रमा के बीच की दूरी का 11 गुना है, अब दूरस्थ गांवों को भी जोड़ रही है।

भारत का 5जी रोलआउट विश्व में सबसे तेज रोलआउट्स में से एक है, और मात्र दो वर्षों में 4.81 लाख बेस स्टेशंस स्थापित किए गए हैं। हाई-स्पीड इंटरनेट अब शहरी केंद्रों से लेकर अग्रिम सैन्य चौकियों तक जैसे गलवान, सियाचिन और लद्दाख पहुँच चुका है।

इंडिया स्टैक, जो हमारा डिजिटल बैकबोन है, ने UPI जैसे प्लेटफार्म को सक्षम बनाया है, जो अब सालाना 100 बिलियन से अधिक लेन-देन करता है। विश्व में होने वाले कुल रियल-टाइम डिजिटल ट्रांजैक्शन में से लगभग आधे भारत में होते हैं।

डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) के माध्यम से 44 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे नागरिकों को हस्तांतरित की गयी है, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई और 3.48 लाख करोड़ रुपये की लीकेज रोकी गई है।

स्वामित्व जैसी योजनाओं ने 2.4 करोड़ से अधिक प्रॉपर्टी कार्ड्स जारी किए हैं और 6.47 लाख गांवों को मैप किया है, जिससे वर्षों से चली आ रही भूमि संबंधी अनिश्चितता का अंत हुआ है।

- सभी के लिए अवसरों का लोकतंत्रीकरण

भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था अब पहले से कहीं अधिक MSMEs और छोटे उद्यमियों को सशक्त बना रही है।

ONDC (ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स) एक क्रांतिकारी प्लेटफॉर्म है जो विक्रेताओं और खरीदारों के विशाल बाजार से सीधा संपर्क स्थापित कर नए अवसरों की खिड़की खोलता है।

GeM (गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस) आम आदमी को सरकार के सभी विभागों को सामान और सेवाएं बेचने की सुविधा देता है। इससे न केवल आम नागरिक को एक विशाल बाजार मिलता है बल्कि सरकार की बचत भी होती है।

कल्पना कीजिए: आप मुद्रा लोन के लिए ऑनलाइन आवेदन करते हैं। आपकी क्रेडिट योग्यता को अकाउंट एग्रीगेटर फ्रेमवर्क के माध्यम से आंका जाता है। आपको लोन मिलता है, आप अपना व्यवसाय शुरू करते हैं। आप GeM पर पंजीकृत होते हैं, स्कूलों और अस्पतालों को सप्लाई करते हैं और फिर ओएनडीसी के माध्यम से इसे और बड़ा बनाते हैं।

ओएनडीसी ने हाल ही में 20 करोड़ लेन-देन का आंकड़ा पार किया है- जिसमें पिछले 10 करोड़ सिर्फ 6 महीनों में हुए हैं। बनारसी बुनकरों से लेकर नागालैंड के बांस शिल्पियों तक, अब विक्रेता बिना बिचौलियों के पूरे देश में ग्राहक तक पहुँच रहे हैं।

GeM ने 50 दिनों में एक लाख करोड़ रुपये का GMV पार किया है, जिसमें 22 लाख विक्रेता शामिल हैं, जिनमें 1.8 लाख से अधिक महिला संचालित MSMEs हैं, जिन्होंने 46,000 करोड़ रुपये की आपूर्ति की है।

- डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर: भारत का वैश्विक योगदान

भारत का डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर (DPI)- जैसे आधार, CoWIN, डिजिलॉकर, फास्टैग, पीएम-WANI, और वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन- को अब वैश्विक स्तर पर पढ़ा और अपनाया जा रहा है।

CoWIN ने दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान को सक्षम किया, जिससे 220 करोड़ QR-सत्यापित सर्टिफिकेट जारी हुए। DigiLocker, जिसके 54 करोड़ उपयोगकर्ता हैं, 775 करोड़ से अधिक दस्तावेजों को सुरक्षित और निर्बाध तरीके से होस्ट कर रहा है।

भारत ने अपनी जी20 अध्यक्षता के दौरान ग्लोबल DPI रिपॉजिटरी और $25 मिलियन का सोशल इम्पैक्ट फंड लॉन्च किया, जिससे अफ्रीका और दक्षिण एशिया के देश समावेशी डिजिटल इकोसिस्टम अपना सकें।

- स्टार्टअप पॉवर और आत्मनिर्भर भारत

भारत अब विश्व के शीर्ष 3 स्टार्टअप इकोसिस्टम में शामिल है, जिसमें 1.8 लाख से अधिक स्टार्टअप हैं। लेकिन यह सिर्फ एक स्टार्टअप आंदोलन नहीं है, यह एक टेक्नोलॉजी पुनर्जागरण है।

भारत में युवाओं के बीच AI स्किल्स और AI टैलेंट के मामले में बड़ी प्रगति हो रही है।

$1.2 बिलियन इंडिया AI मिशन के तहत भारत ने 34,000 GPUs की पहुँच ऐसे मूल्य पर सुनिश्चित की है जो वैश्विक स्तर पर सबसे कम है –$1 से भी कम प्रति GPU Hour. इससे भारत न केवल सबसे सस्ता इंटरनेट इकोनॉमी, बल्कि सबसे किफायती कंप्यूटिंग हब बन गया है।

भारत ने मानवता-पहले AI की वकालत की है। नई दिल्ली डिक्लरेशन ऑन AI जिम्मेदारी के साथ नवाचार को बढ़ावा देता है। देशभर में AI सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए जा रहे हैं।

- आगे का रास्ता

अगला दशक और भी अधिक परिवर्तनकारी होगा। हम डिजिटल गवर्नेंस से आगे बढ़कर वैश्विक डिजिटल नेतृत्व की ओर बढ़ रहे हैं – इंडिया फर्स्ट से इंडिया फॉर द वर्ल्ड तक।

डिजिटल इंडिया अब केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं रहा, यह जनआंदोलन बन चुका है। यह आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का केंद्र है, और भारत को दुनिया का विश्वसनीय नवाचार साझेदार बना रहा है।

सभी इनोवेटर्स, एंटरप्रेन्योर्स, और ड्रीमर्स से: दुनिया अगली डिजिटल क्रांति के लिए भारत की ओर देख रही है।

- आइए हम वह बनाएं जो सशक्त बनाता है।
- आइए हम ऐसे हल निकालें जो वास्तव में मायने रखता है।
- आइए हम उस तकनीक के साथ नेतृत्व करें जो unite, include और uplift करती है।

लेखक भारत के प्रधानमंत्री हैं।

विधायक राजीव तरारा ने किया राजकीय बालिका छात्रावास बछरायूं का शुभारंभ कर किया वृक्षारोपण

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में समग्र शिक्षा माध्यमिक योजना अंतर्गत विधायक राजीव तरारा ने राजकीय बालिका छात्रावास बछरायूं का शुभारंभ किया। बताते चलें कि जनपद में समग्र शिक्षा माध्यमिक योजना अंतर्गत राजकीय बालिका छात्रावास अमरोहा का शुभारंभ प्रभारी मंत्री अमरोहा के.पी. मलिक ने 20 मई 2025 को किया था ।राजीव तरारा विधायक विधानसभा धनौरा ने राजकीय बालिका छात्रावास बछरायूं का शुभारंभ समारोह पूर्वक किया। जनपद में दो राजकीय बालिका छात्रावास अमरोहा और राजकीय बालिका छात्रावास बछरायूं का संचालन प्रारंभ हो गया है। राजकीय बालिका छात्रावास बछरायूं में आयोजित समारोह का शुभारंभ मा0 विधायक राजीव तरारा ने मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया।अतिथियों को बुके एवं फूलमालाओं से स्वागत किया गया ।समारोह को संबोधित करते हुए विधायक राजीव तरारा ने कहा कि सरकार बालिकाओं के उत्थान के लिए विभिन्न योजनाएं चल रही है । आज लड़कियां सेना में, वायुयान, ट्रेन, गाड़ी, ऑटो रिक्शा आदि कहां-कहां अपने हाथ नहीं आजमा रही। यूपी बोर्ड सीबीएसई बोर्ड आईसीएसई बोर्ड की टॉपर लड़कियां ही है। लड़कियां लड़कों से आगे हैं। विधायक राजीव तरारा विधानसभा क्षेत्र धनौरा ने राजकीय बालिका छात्रावास बछरायूं के लिए एक वाटर कूलर एवं सोलर लाइट की घोषणा की। समारोह को संबोधित करते हुए जिला विद्यालय निरीक्षक डॉक्टर प्रवेश कुमार ने कहा की राजकीय बालिका छात्रावासों का संचालन बहुत अधिक प्रयासों से किया गया है। छात्राओं को स्वावलंबी एवं निडर बनने की आवश्यकता है। छात्रावास में 100100 छात्राओं के प्रवेश किए जाने है। पहलेआओ पहलेपाओ के तहत प्रवेश किया जा रहे हैं। अतः शीघ्र अतिशीघ्र बालिकाएं छात्रावास में प्रवेश ले। बालिका छात्रावास में केजीबीवी की तर्ज पर स्टाइपेंड और चिकित्सा सुविधा, मुफ्त भोजन एवं आवासीय व्यवस्था उपलब्ध है। प्रधानाचार्य डॉक्टर धर्म सिंह ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। विधायक राजीव तरारा और जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ प्रवेश कुमार एवं छात्राओं ने राजकीय बालिका छात्रावास प्रांगण में वृक्षारोपण अभियान के तहत वृक्ष रोपित किए। इस अवसर पर वार्डन श्रीमती सोनाली, प्रतिभा सेठ कुमारी टीना, अमजद अली, संजय कुमार, रोहित आर्य, शिवम शर्मा, चंद्रपाल सिंह, आकाशदीप आदि उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन मदनपाल सिंह जिला समन्वयक समग्र शिक्षा ने किया।

रोटरी क्लब चंदौसी रॉयल्स ने किया पौधारोपण आयोजन

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- रोटरी क्लब चंदौसी रॉयल्स द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल हरियाली बढ़ाना था बल्कि समाज में पर्यावरण जागरूकता को भी प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम के तहत क्लब के सदस्यों द्वारा विभिन्न प्रकार के छायादार, फलदार एवं औषधीय पौधे लगाए गए। पौधारोपण स्थल पर सभी पौधों की देखरेख और संरक्षण की उचित व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई। इस अवसर पर अतिथि के रूप में डिस्ट्रिक्ट पब्लिक इमेज चेयर रो. राहुल अग्रवाल, असिस्टेंट गवर्नर रो. निखिल अग्रवाल, क्लब की अध्यक्ष वंदना अग्रवाल, सचिव शिल्पी अग्रवाल, कोषाध्यक्ष पराग बंसल, ट्री प्लांटेशन कमेटी मेंबर रो. प्रतीक गोयल, सुनीत चौधरी, गौरव साहनी, गोविंद अग्रवाल और अन्य सदस्यगण महिमा बंसल, तनीषा अग्रवाल, शिप्रा गिरा, प्रियंका चौधरी, अतुल गेरा, डॉ गौरव गुप्ता, अपूर्व अग्रवाल, नितिन अग्रवाल, ईशान अग्रवाल, राघव अग्रवाल, विहान अग्रवाल आदि मौजूद रहे। सभी ने पौधारोपण कर पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को निभाने का संदेश दिया। रोटरी क्लब चंदौसी रॉयल्स हमेशा से समाज सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाता आया है। यह कार्यक्रम भी उसी कड़ी का एक हिस्सा रहा जिसमें समाज को स्वच्छ और हरा-भरा बनाए रखने का संकल्प लिया गया।

विद्यालय खुलने पर बच्चों का तिलक लगाकर फूल माला पहनाकर किया स्वागत

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- मंगलबार को विकास क्षेत्र गंगेश्वरी के प्राथमिक विद्यालय गुलामपुर में स्कूल खुलने के पहले दिन विद्यालय आने वाले बच्चों का फूल मालाएं पहनाकर एवं तिलक लगाकर स्वागत किया गया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं प्राथमिक शिक्षक संघ गंगेश्वरी के ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह ने कहा कि ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद आज परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र छात्राओं का स्कूल में प्रथम दिन प्रवेश करने पर फूल मालाएं पहनाकर एवं तिलक लगाकर स्वागत किया गया।सभी छात्र छात्राओं से प्रतिदिन नियमित रूप से स्कूल आने के लिए प्रेरित किया गया। स्कूल में आज चहल पहल का माहौल था। बच्चें भी काफी खुश नजर आएं। बच्चों को मध्याह्न भोजन करने के अन्तर्गत हलुवे का वितरण किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष इन्द्र सिंह,ग्राम प्रधान राजकुमार,सहायक अध्यापक अमित कुमार, मनीष कुमार,अजय सागर, राशिद अली, रेनू कंसल आदि उपस्थित रहे।

डीएम और विधायक ने मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय का किया भूमि पूजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स एवं विधायक हसनपुर महेंद्र सिंह खड़कवंशी, ब्लॉक प्रमुख हसनपुर ममता गुर्जर द्वारा 17.50 हजार स्क्वायर मीटर क्षेत्र में 24 करोड़ की लागत से बनने वाले 1500 बच्चों की क्षमता के जनपद का प्रथम मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय ग्राम-करनपुर सकतपुर, तहसील हसनपुर का विधिवत पूजा अर्चना, हवन कर भूमि पूजन किया। यह विद्यालय कारदायीं संस्था सी0 एंड डी0एस0 और जल निगम (नगरीय), मुरादाबाद द्वारा बनाया जायेगा। विधायक महेंद्र सिंह खड़कवंशी ने कहा कि यह विद्यालय जिले के साथ-साथ आसपास के बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए उत्तम संस्थान साबित होगा। उन्होंने मुख्यमंत्री जी और जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स को बधाई दी कि उनके सहयोग से मैं अपने क्षेत्र में यह विद्यालय बनवा रहा हूं। उन्होंने कहा यह हमारे क्षेत्र के लिए सुनहरा दिन है और इस कार्य के लिए उन्होंने सरकार की प्रशंसा की ।उन्होंने कहा हमारी सरकार अंतिम पंक्ति में बैठे लोगों का विकास कर रही है वह चाहते हैं कि गरीब का बच्चा पढ़ लिखकर डॉक्टर, डीएम आदि बने, इसलिए हमारी सरकार ईमानदारी के साथ भर्ती कर रही है और मुख्यमंत्री योगी जी एवं प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा गरीबों के विकास के लिए अनेक कार्य किया जा रहे हैं। और उनका पूरा सम्मान दिया जा रहा है उन्होंने कहा यह विद्यालय हमारे क्षेत्र के बच्चों के विकास के लिए बहुत उपयोगी साबित होगा। जिलाधिकारी निधि गुप्ता बचाने कहा कि जिले के प्रथम मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय में प्री- प्राइमरी से कक्षा 12 तक की शिक्षा दी जाएगी। शिक्षा के साथ-साथ बच्चों को खेलने की स्टेडियम और लैब का भी निर्माण किया जाएगा उन्होंने कहा पहले बच्चे आंगनबाड़ी केंद्र, उसके बाद कक्षा 1 से 5 तक विद्यालय, उसके बाद 06 से कक्षा 08 तक के विद्यालय और 09 से कक्षा 12 तक की विद्यालय में शिक्षा ग्रहण करते थे लेकिन यह मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय में छात्र-छात्राएं प्री प्राइमरी से कक्षा 12 तक शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे। उन्होंने कहा इस विद्यालय के माध्यम से बच्चों का सर्वांगीण विकास का पूरा ध्यान दिया जाएगा इस विद्यालय में टीचर्स यही विद्यालय में ही रुका करेंगे और उनके लिए रहने की उचित व्यवस्था की जाएगी। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी हसनपुर पुष्कर नाथ सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉक्टर मोनिका सहित जन प्रतिनिधी एवं संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारियों सहित ग्रामीणवासी उपस्थित रहे।

रोटरी क्लब चन्दौसी अमन ने किया सत्र समापन एवम अवार्ड समारोह

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- रोटरी क्लब चन्दौसी अमन ने रोटरी सभागार रोटरी आई हॉस्पिटल में सत्र का समापन एवम अवार्ड समारोह शनिवार को किया। रोटरी अमन अध्यक्ष अमित अप्पू ने वर्ष भर किये कार्य के फलस्वरूप अपने क्लब के साथियों को अवार्ड देकर सम्मानित किया। अपने निःशुल्क भोजन वितरण में 9 साथियों को माँ अन्नपूर्णा अवार्ड दिया। जिसमें शहर के समाजसेवी श्री ओमप्रकाश ओमिलाला, रो0 अतुल गुड्डू , रो0 कल्पना अप्पू , रो0 प्रवीन अग्रवाल पीनू, रो0 कमल किशोर, रो0 भुवनेश वार्ष्णेय, रो0 मोहित अग्रवाल, रो0 पवन कुमार, रो0 विकास मेंथा को माँ अन्नपूर्णा अवार्ड से सम्मानित किया। क्लब को आर्थिक सहयोग देने के लिए रो0 राहुल टनाटन, रो0 भुवनेश वार्ष्णेय, रो0 गिरीश हीरो, रो0 प्रवीन अग्रवाल को मोस्ट वैल्यूवल अवार्ड से सम्मानित किया। जो बच्चे हाई स्कूल और इंटर में अच्छे मार्क्स से पास हुए उन सभी बच्चों को भी फ्यूचर वर्जन अवॉर्ड से सम्मानित किया। जिसमें मनी पार्थव, कनिष्का वार्ष्णेय परी, नैतिक चौधरी, अदिति गुप्ता, आराध्या सिंह, ओजस्वी गोयल, शौर्य प्रताप सिंह और एक विशेष पुरस्कार मान गुप्ता को कई प्रतियोगिता जीतने पर दिया गया। वर्ष भर अध्यक्ष के कंधे से कंधा मिलाकर चलने के लिए रो0 स्वाति अग्रवाल, रो0 शुभा अग्रवाल, रो0 शुभ्रा अग्रवाल, रो0 साधना गुप्ता, रो0 पूजा किशोर, रो0 कविता गुप्ता, रो0 कल्पना अप्पू , रो0 प्रदीप वार्ष्णेय,रो0 प्रवीन अग्रवाल पीनू , रो0 विनय अग्रवाल, रो0 दीपेश गुप्ता, रो0 लोकेश वार्ष्णेय, रो0 मोहित जैन, रो0 अमित चौधरी, रो0 मोहित अग्रवाले को कोलावेरेटिव अवॉर्ड से सम्मानित किया। क्लब के आल राउंड प्रदर्शन के लिए टीटेश काका को ऑल राउंडर अवॉर्ड से सम्मानित किया। इस सत्र में सबसे बढ़िया काम करने पर मेन ऑफ द सीजन अवार्ड क्लब के सचिव रो0 अतुल गुड्डू को दिया गया। इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रो0 काव्य एस रस्तोगी जी 2027-2028 मुख्य अतिथि और फ्अऋ रो0 विजय कुमार गेस्ट ऑफ हॉनर ने सभी अवार्ड का वितरण अपने कर कमलों से किया। रो0 तृप्ति रस्तोगी, रो0 पायल रस्तोगी और रो0 संजय रुस्तगी की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि आगामी गवर्नर डॉ. काव्य सौरभ रस्तोगी ने रोटरी के सात फोकस क्षेत्रों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए दान की प्रवृत्ति को समाज में सकारात्मक परिवर्तन का आधार बताया। उन्होंने चंदौसी अमन को रोटरी मंडल का सबसे अधिक सौहार्दपूर्ण और भाईचारे से परिपूर्ण क्लब घोषित किया। सम्मान पाने वाले रोटेरियंस को उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए बधाई दी । साथ ही अध्यक्ष अमित गुप्ता अप्पू के सफल कार्यकाल की सराहना की । क्लब अध्यक्ष अमित अप्पू ने मुख्य अतिथि रो0 काव्य एस रस्तोगी जी, गेस्ट ऑफ हॉनर रो0 विजय कुमार और रो0 संजय रुस्तगी जी को क्लब मोमेंटो और माल्यार्पण कर सम्मानित किया।

तिरंगा मार्केट में धूमधाम से हुई आम पार्टी, सैंकड़ों लोगों ने की सहभागिता

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- हिंदू जागृति मंच द्वारा तिरंगा मार्केट में आयोजित आम की दावत में 300 से अधिक लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। आम प्रेमियों ने जमकर फलों के राजा आम का रसास्वादन किया, आनंद लिया। इस अवसर पर हिंदू जागृति मंच के प्रदेश अध्यक्ष एवं शर्मा मेडिकोज के स्वामी अजय कुमार शर्मा ने कहा कि फलों का राजा आम विशेष गुणकारी फल है। समूचे राष्ट्र और विश्व में आम से अधिक लोकप्रिय कोई फल नहीं है। उन्होंने आम की दावत में आए सभी 300 से अधिक लोगों की सहभागिता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। हिंदू जागृति मंच के महामंत्री सुबोध कुमार गुप्ता ने कार्यक्रम में आए हिंदू जागृति महिला मंच, गायत्री परिवार, विश्व हिंदू परिषद, भारतीय जनता पार्टी, केमिस्ट एसोसिएशन, ब्राह्मण महासंघ, वैश्य सभा, आर्य समाज, जिला संघर्ष समिति, मुन्नी माता सेवा समिति, नगर हिंदू सभा, इतिहास संकलन समिति, नगर पालिका परिषद आदि अनेक संस्थाओं के सदस्यों की सहभागिता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आम की दावत की संपूर्ण उत्तम व्यवस्था पर सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि की रुप में आए डॉक्टर यू सी सक्सेना, कमल कांत तिवारी, प्रदीप वर्मा प्रताप, नवीन अग्रवाल ठेकेदार, चरन सिंह भारती, अमित गुप्ता, राकेश वार्ष्णेय, डॉक्टर मूलचंद दालभ, हाकिम कौसर अहमद, मो.इसरार खान, डॉ.नाजिम, दीपा वार्ष्णेय, सुनीता यादव, डॉक्टर आलोक कुमार, अशोक कुमार त्यागी, दुर्वेश सैनी, राकेश चौधरी, इमरान खान, शोभा गर्ग, सीमा आर्या सहित अनेक सहयोगियों को तिरंगा मार्केट के नोमान प्रधान ने धन्यवाद देते हुए सभी 300 से अधिक संख्या में आए अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। सभी ने शानदार व्यवस्थाओं के साथ अनुशासित तरीके से आम की दावत का लुत्फ उठाते हुए कार्यक्रम को सफल बनाया।

गर्मियों की छुट्टी के बाद खुले स्कूल

सरकारी स्कूलों में पहले दिन बच्चों का तिलक लगाकर किया गया स्वागत

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- गर्मी की छुट्टियां खत्म होने के बाद स्कूल आज से खुल गए हैं, करीब डेढ़ महीने बाद स्कूलों की रौनक लौट आई है, डेढ़ महीने बाद फिर स्कूल आकर बच्चे अपने दोस्तों से मिलने के लिए उत्सुक दिखे, वहीं बच्चों को स्कूल छोड़ने आए पेरेंट्स भी खुश नजर आए। ग्रीष्मावकाश के छुट्टी के बाद बच्चे जब विद्यालय के गेट पर पहुंच रहे थे तो विद्यालय के अध्यापक गण के हाथों में छड़ी नहीं बल्कि थाल में फूल थे। आज ग्रीष्मकालीन अवकाश के उपरांत नन्हे मुन्ने बच्चे जब विद्यालय पहुंचे ,प्राथमिक विद्यालय पतेई खादर के प्रधानाध्यापक एवं जिला अध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ यशपाल सिंह एवं जिला उपाध्यक्ष गौरव नागर ,समस्त स्टाफ के द्वारा तिलक लगाकर व पुष्प वर्षाकर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में विजेंद्र सिंह गौरव नागर ऋषभ चौधरी राजीव कुमार शिक्षक उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग योजन का किया शुभारंभ

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित "मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग योजन" के अन्तर्गत वर्ष 2025-26 हेतु प्रतिभावान, मेधावी व लगनशील एवं परिश्रमी सभी संवर्गो के छात्र-छात्राओं को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु निःशुल्क कोचिंग शुभारंभ हाशमी गर्ल्स डिग्री कॉलेज, अमरोहा में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स, मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, जिला समाज कल्याण अधिकारी पंखुड़ी जैन, प्रधानाचार्य हाशमी गर्ल्स कॉलेज की उपस्थिति में किया गया। इस निशुल्क कोचिंग सेंटर में अब तक 170 छात्र-छात्राओं द्वारा रजिस्ट्रेशन कराया गया है जो नीट, यूपीएससी, यूपीएसएससी आदि सहित अन्य परीक्षाओं की तैयारी करेंगे। जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी बच्चों को मोटिवेट करते हुए कहा कि सभी का एक लक्ष्य होना चाहिए एक से अधिक लक्ष्य होगा तो सफलता किसी कीमत पर प्राप्त नहीं होगी। उन्होंने कहा यदि आप सफल होते हैं तो सबसे ज्यादा खुशी आपके परिवार को मिलती है। उन्होंने कहा सफल होने के लिए सबसे पहले एक लक्ष्य निर्धारित होना चाहिए लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ेंगे तो सफलता अवश्य मिलेगी। उन्होंने कहा कि फिर हार्ड वर्क सबसे आवश्यक है यदि आप स्वयं थाने की हमें मेहनत करके यह कार्य पूर्ण करना है तो वह निश्चित रूप से सफल होगा इसके साथ ही स्वयं अध्याय बहुत ही आवश्यक है क्योंकि आप सेल्फ स्टडी के द्वारा चिंतन मनन करेंगे तो निश्चित ही आपको सफलता प्राप्त होगी उन्होंने कहा कि स्टडी के लिए सबसे पहले अपने शरीर का ध्यान रखना समय पर खाना समय और अच्छा खाना। उन्होंने कहा कि धोखे में रखकर कोचिंग कभी मत करना आप सोच की माता-पिता ने भेज दिया तो मजबूरी में जाना पड़ रहा है ऐसा नहीं होना चाहिए यह आपके लिए है यदि आप सफल होते हैं तो बड़े होकर मां-बाप की पहचान उनके बच्चों से हो जाती है। इस अवसर पर उपस्थित छात्र-छात्राओं ने जिलाधिकारी से तैयारी के संबंध में विभिन्न प्रश्न किए जिनका जिलाधिकारी ने जवाब देकर उनके संशय को दूर किया। इस अवसर पर हाशमी गर्ल्स कॉलेज के प्रबंधक सिराजुद्दीन हाशमी द्वारा जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी और जिला समाज कल्याण अधिकारी को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्रा ने कहा कि सरकार का प्रयास है गरीब या आर्थिक तंगी के कारण जो बच्चे कोचिंग नहीं कर पाते हैं उनके लिए अब मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग का शुभारंभ किया गया है इस कोचिंग में अच्छे शिक्षकों को चयनित किया गया है ताकि वह बच्चों को पढ़ाये और बच्चे चयनित होकर जनपद देश और प्रदेश का नाम रोशन करें। कहां की शिक्षक जो पढ़ाएंगे बच्चों को कंपटीशन के लिए पढ़ाएंगे और सभी बच्चों को मेहनत पढ़ाई करनी है उन्होंने सभी शिक्षकों को से कहा कि शिक्षक बच्चों की गहराई को जाने। कहा जनपद में जो अधिकारी किसी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं उन अधिकारियों द्वारा गैस टीचर के लिए लेक्चर कराया जाया करेगा।

बालश्रम के विरुद्ध अभियान चलाकर आम जनमानस को जागरूक किया गया...

सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार के आदेश के क्रम में एवं अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा व क्षेत्राधिकारी बहजोई आलोक सिद्ध जनपद सम्भल के निर्देश के क्रम में बाल श्रम के विरूद्ध आम जनमानस में व्यापक जागरूकता एवं प्रचार-प्रसार करते हुए शासन द्वारा निर्धारित बाल/किशोर श्रम उन्मूलन के लक्ष्य को पूरा करने हेतु अभियान चलाया गया। थाना ए0एच0टी0 टीम के साथ शहर के विभिन्न चैराहों- चंदौसी चैराहा, चौधरी सराय, तथा बाजार क्षेत्र में भ्रमण कर बाल श्रम उन्मूलन हेतु जागरूक कर बताया गया। अभियान के अंतर्गत बाल/किशोर श्रम के अंतर्गत 04 स्थानों का निरीक्षण कर 05 श्रमिकों को रेस्क्यू कर उनके सेवायोजकों के विरूद्ध नोटिस जारी किया गया। संबंधित सेवायोजकों को भविष्य में भी बाल श्रम न कराये जाने हेतु सचेत किया गया। अभियान/निरीक्षण के दौरान उ0नि0 दीपक कुमार व आरक्षी चालक मयंक थाना ए0एच0टी0, तथा प्रवर्तन अधिकारी बाल श्रम मो0 आजम व शाहजेब अख्तर व अन्य सहयोगी उपस्थित रहे।

रोटरी क्लब चन्दौसी अमन ने लगाया स्वास्थ्य परीक्षण शिविर और मनाया नेशनल डॉक्टर्स एवं नेशनल सी.ए. दिवस

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस राष्ट्रीय सी.ए. दिवस पर महाजन मोहल्ला स्थित लाला सोहनलाल सरस्वती शिशु मंदिर जूनियर हाई स्कूल में रोटरी क्लब चंदौसी अमन के तत्वाधान में निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान जनरल फिजीशियन डॉ सागर गुप्ता एवम नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ ओमेंद्र वार्ष्णेय ने बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करके दवा प्रदान की। शिविर का शुभारंभ नगर के वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ नरेंद्र कुमार गुप्ता एवं समाजसेवी अखिलेश कुमार खिलाड़ी ने फीता काटकर एवम दीप प्रज्वलित करके किया। क्लब के अध्यक्ष दीपेश गुप्ता ने बताया आज राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस एवम चार्टर्ड अकाउंटेंट दिवस दोनों है। इसलिए क्लब के पदाधिकारियों एवम सदस्यों ने डॉ नरेंद्र कुमार गुप्ता, डॉ सागर मल्होत्रा, डॉ टीएस पाल, डॉ ओमेंद्र वार्ष्णेय तथा सीए कपिल वार्ष्णेय एवम सीए आलोक अग्रवाल,सीए अनुभव गुप्ता को प्रमाणपत्र, फूलमाला एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान करके सम्मानित किया। मुख्य अतिथि वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ नरेंद्र कुमार गुप्ता ने कहा कि जब शरीर स्वस्थ होगा तभी पढ़ाई में मन लगेगा। इसीलिए पौष्टिक आहार का सेवन करें।अपने खान-पान पर विशेष ध्यान दें और फास्ट फूड लेने से बचें। तथा डॉक्टर डे पर सभी चिकित्सकों को शुभकामनाएं प्रेषित की। विशिष्ट अतिथि एवम अखिलेश कुमार खिलाड़ी ने कहा आज रोटरी क्लब द्वारा जो सेवा कार्य किये जा रहे हैं वह सराहनीय हैं एवं इन बच्चों को अच्छे डॉक्टर्स का परामर्श प्राप्त हुआ। सामाजिक सेवा भी ईश्वर सेवा के समान होती हैं। अंत मे प्रधानाचार्य सुरेंद्र सिंह राजपूत ने सभी अतिथियो एवम मीडिया के बंधुओ का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अध्यक्ष दीपेश गुप्ता ने तथा संचालन इं.लोकेश कुमार वार्ष्णेय ने किया। इस दौरान रोटरी के रीजनल डायरेक्टर भुवनेश वार्ष्णेय, एजी. निखिल अग्रवाल, सचिव राहुल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अविनाश गोयल, प्रदीप वार्ष्णेय, अमित अप्पू, अतुल गुप्ता, भूपेन्द्र गुप्ता, कमल किशोर, विनय अग्रवाल, मोहित अग्रवाल, हैप्पी आर्या, नितिन रहोली, टीटेश काका, पवन साड़ी, विकास मेंथा, गिरीश हीरो, सपना गुप्ता, कुलदीप वार्ष्णेय, अनुज रमन, शुभ्रा अग्रवाल, श्वेता अग्रवाल, पूजा किशोर, अर्पिता वार्ष्णेय, ह्रदेश यादव, साधना गुप्ता, शिखा रमन शर्मा, वीना वार्ष्णेय, हरेंद्र कोहली, गीता आर्या, शुभा अग्रवाल, गिरीश अंजली, डॉ कृतिका वार्ष्णेय, रचना, आईपीएस चौहान आदि उपस्थित रहे।

जनपद सम्भल में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र बने रैन-बसेरा, कुछ आधे अधूरे

संबंधित अधिकारियों की लापरवाही के चलते, सरकार की छवि होती धूमिल

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जहां एक तरफ राज्य सरकार के मुखिया मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी स्वच्छ भारत मिशन के तहत पूरे देश में एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र बनाने के लिए करोड़ों रुपए का खर्चा कर के निर्माण करा रहे है। लेकिन अधिकारियों को इस बात से फर्क नहीं पड़ता। आपको बताते चले कि मामला जनपद के विकास खंड पंवासा के ग्राम पंचायत कैली का है जहां एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र को ग्रामीणों ने बना लिया रैन-बसेरा उसके मोटरसाइकिल व चारपाई, तख्त डाल कर रहते है परन्तु संबंधित बेखबर है उन्हें इससे कोई फर्क नही पडता। वही अन्य ग्राम पंचायतों में अभी तक अधूरे पड़े है ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र और उनका पैसा पहले ही निकाल लिया गया। इस संबंध में संबंधित अधिकारियों को कोई जानकारी नही, जानकारी तो तब होगी जब ग्राम पंचायतों में जाकर भ्रमण करते हो। ग्राम पंचायत नगला खाकम व ग्राम पंचायत थरैसा जयसिंह में अभी तक अधूरे पड़े है ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र परन्तु कोई भी अधिकारी इन गांवों का भ्रमण नही करते इसी लिए संबंधित लोगों के होसले बुलंद हैं। इन सभी ग्राम पंचायतों में संजय यादव सचिव तैनात है अब देखना ये है कि उच्च अधिकारी इस पर क्या कार्यवाही करते है।

करणी सेना के जिला अध्यक्ष ने की सुधार की नई पहल

25 साल से खराब सड़क और सफाई की समस्या को लेकर जिलाधिकारी और डीपीआरओ को फोन के माध्यम से कराया अवगत

बहजोई/संभल(सब का सपना):- ब्लॉक पंवासा में करणी सेना के जिला अध्यक्ष सम्भल ठाकुर रितिक राजपूत ने ग्राम पंवासा में 25 साल से खराब सड़क और सफाई की समस्या को लेकर जिलाधिकारी सम्भल और डीपीआरओ उपेंद्र कुमार को फोन के माध्यम से अवगत कराया। इस पर डीपीआरओ ने तत्काल सफाई कराने के आदेश दिए, जिसके बाद पूरे मोहल्ले की साफ-सफाई की गई। ग्रामीणों का आरोप था कि कई बार प्रधान से कहने के बावजूद सफाई नहीं हुई। लेकिन करणी सेना के जिला अध्यक्ष के प्रयास से सफाई कार्य की समस्या का समाधान हुआ। उन्होंने सीसी टाइल्स सड़क निर्माण कराने का भी अनुरोध किया, जिससे ग्रामीणों को आने-जाने में आसानी हो सके।

जिला अध्यक्ष का बयान

जिला अध्यक्ष ने बताया कि गांव के लोगों ने कई बार बताया कि सभी जगह सफाई हो जाती है, परंतु इस मोहल्ले की सफाई नहीं होती। जबकि सफाई के अभाव में काफी गंदगी फैलती है और बीमारी बढ़ने का खतरा रहता है। तभी उन्होंने व्हाट्सएप के माध्यम से जिलाधिकारी और डीपीआरओ उपेंद्र कुमार को अवगत कराकर सफाई कराने का अनुरोध किया। उन्होंने मेरी बात को गंभीरता से लिया और अगले दिन सफाई कराई। इसके लिए मैं उनका आभार व्यक्त करता हूं।

करणी सेना की सक्रियता

करणी सेना के जिला अध्यक्ष ठाकुर रितिक राजपूत की सक्रियता से ग्राम पंवासा में सुधार की नई पहल हुई है। इससे पहले भी करणी सेना ने विभिन्न मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाई है।

जिलाधिकारी के द्वारा विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान का किया शुभारम्भ

बहजोई/संभल (सब का सपना):- कलेक्ट्रेट परिसर में जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया के द्वारा विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान का शुभारम्भ हरी झंडी दिखाकर किया गया। शुभारंभ अवसर पर अपर मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान 01 जुलाई से 31 जुलाई 2025 तक एवं दस्तक अभियान 11 जुलाई से 31 जुलाई 2025 तक चलाया जाना है। उन्होंने बताया कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान के अन्तर्गत विभिन्न विभागों यथा-नगर विकास, पंचायती राज, पशुपालन विभाग, बालविकास एवं पुष्टाहार विभाग, शिक्षा विभाग, औषधि एवं खाद्य प्रशासन इत्यादि के अन्तर्विभागीय समन्वय से जिलाधिकारी की अध्यक्षता में संचालन किया जाना है। उन्होंने बताया कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान के अन्तर्गत दिमागी बुखार, आई0एल0 आई0, क्षयरोग के लक्षण युक्त व्यक्तियों, कुष्ठ रोग, फाइलेरिया, कालाजार, मलेरिया, डेंगू, चिकुनगुनिया, कुपोषित बच्चों की पहचान, दस्त रोग के लक्षणयुक्त बच्चों की पहचान करते हुए उन्हे ओ0आर0एस0 पैकेट एवं जिंक टैबलेट उपलब्ध कराया जायेगा। इसी के साथ खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन द्वारा खाद्य एवं पेय पदार्थो की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा अधोमानक खाद्य पदार्थों की बिक्री विशेष कर खुल हुए खाद्य पदार्थ जैसे- बेकार, सड़े हुए सब्जी एवं फल, असुरक्षित तरीके से तैयार किये जा रहे ताजा फलों एवं गन्ने के जूस इत्यादि पर नियंत्रण का कार्य सम्पादित किया जायेगा। इस दौरान स्टॉप डायरिया कैंपेन भी चलाया जाएगा,जिसमें डायरिया से बचाव एवं रोकथाम के बारे में बताया जायेगा, आशाओं के द्वारा घर घर जाकर ORS एवं जिंक बांटा जाएगा। ORS कॉर्नर भी बनाए जाएंगे। जिलाधिकारी ने संचारी रोग से संबंधित सभी आशाओं एवं ए एन एम को शपथ दिलाई। इसके उपरांत जिलाधिकारी डॉ.राजेंद्र पैंसिया के द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने आवश्यक एवं मूलभूत सुविधाओं को देखते हुए संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट में साफ सफाई को लेकर भी संबंधित को निर्देशित किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ तरुण पाठक, परियोजना निदेशक डीआरडीए ज्ञान सिंह अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ पंकज बिश्नोई, जिला कार्यक्रम प्रबंधक संजीव राठौड़, चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर मनोज चौधरी, सहित समस्त संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

जमीन पर कब्जे को लेकर जिला पंचायत सदस्य ने दी आत्महत्या की चेतावनी, परिवार सहित धरने पर बैठे

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- मंडी धनौरा तहसील पर जिला पंचायत सदस्य धर्मपाल सिंह अपने परिवार सहित धरने पर बैठ गये और हंगामा करना शुरू कर दिया। उनका कहना है कि कुछ दबंग लोगों द्वारा मेरी जमीन पर जबरन कब्जा करने की कोशिश की जा रही है जिसे मैं विरोध करता हूं तो वह मुझे जान से मारने की धमकी देते हैं। बता दें कि मंडी धनौरा क्षेत्र के गांव कुदेनी निवासी जिला पंचायत सदस्य धर्मपाल सिंह ने मंगलवार को धनोरा तहसील में परिवार और ग्रामीणों के साथ पहुंचकर जमीन पर कब्जे का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। धर्मपाल सिंह का कहना है कि दबंगों ने उनकी पत्नी पूनम देवी द्वारा खरीदी हुई जमीन पर कब्जा कर लिया है, और विरोध करने पर जान से मारने की धमकियां दे रहे हैं। धर्मपाल ने बताया कि उनकी पत्नी पूनम देवी ने करीब दो वर्ष पूर्व रामवीर सिंह निवासी सुल्तानपुर व बाजितपुर से उक्त जमीन खरीदी थी। जिसकी रजिस्ट्री भी पूनम देवी के नाम है। बावजूद इसके दबंग जबरन कब्जा किए हुए हैं,और खाली नहीं कर रहे। परिवार समेत तहसील पहुंचे धर्मपाल सिंह ने चेतावनी दी कि यदि तहसील स्तर पर सुनवाई नहीं हुई तो वह जिलाधिकारी कार्यालय जाएंगे और वहां भी न्याय न मिलने पर आत्महत्या जैसा कदम उठाने को मजबूर होंगे। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

भारतीय मानव कल्याण समिति ने बनाया राष्ट्रीय चिकित्सा दिवस

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- विनायक मार्ग स्थित समिति कार्यालय पर राष्ट्रीय चिकित्सा दिवस पर समिति प्रबंधक डॉ टीएस पाल को उनकी सामाजिक एवम स्वास्थ्य सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। भाजपा नगर महामंत्री तरुण नीरज ने कहा निस्वार्थ सेवा भाव से कार्य करना ही हर चिकित्सक का लक्ष्य होना चाहिए। सामाजिक कार्यकर्ता शुभम अग्रवाल ने मानवीय जीवन में वर्तमान स्थिति को देखते हुए चिकित्सक की अहम भूमिका है हमें चिकित्सकों का हर संभव सहयोग करना चाहिए। इस दौरान सुशील कुमार भोलेनाथ, सभासद अमन कोरी, दिनेश चंद्र गुप्ता, राजेश पाल, आकाश कुमार शर्मा, अनुज वार्ष्णेय अन्नू, भावना गुप्ता, विक्रम सिंह, ओमप्रकाश गुप्ता, विपिन बालाजी आदि उपस्थित रहे।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का जन्म दिवस मनाया गया...

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिला संभल समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओ ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का जन्म दिवस सुमगलम होटल पर मनाया गया। जनपद सम्भल कोतवाली बहजोई बबराला रोड पर स्थित सुमंगलम होटल में ये कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसकी अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कहा की आज पी डी ए के जननायक पूर्व मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश अखिलेश यादव के जन्म दिवस पर हम सब की ओर से बधाई शुभकामनाएं दीघार्यु की कामना करते हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता आज संकल्प लें की पी डी ए परिवार को मजबूत करने का काम करें कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संभल विधायक पूर्व मंत्री जनाब नबाब इकबाल महमूद साहब ने कहा जन्मदिन के मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष को बधाई शुभकामनाएं साथ समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता जनता बीच जा कर समाजवादी पार्टी को मजबूत करने का काम करें एवं वोटर लिस्टों को चेक करने का काम करें। आज प्रदेश के हालात किसी से छुपें हुए नहीं हैं किसान व्यापारी नौजवान दलित अल्पसंख्यक पिछड़े सभी वर्गों के लोग परेशान हैं सभी मिल कर राष्ट्रीय अध्यक्ष के जन्मदिन पर सही तोहफा 2027 समाजवादी पार्टी की सरकार बनाये गुन्नौर विधायक राम खिलाड़ी सिंह यादव ने कहा पी डी ए को मजबूत कर राष्ट्रीय अध्यक्ष जी को 2027 में मुख्यमंत्री बनाकर जन्म दिवस का तोहफा देने का काम करें।उन्होंने कहा कि आज समाज में सभी वर्गों के लोग परेशान हैं करता कार्यकर्ता घर-घर जाकर पी डी ए को मजबूत करें पूर्व प्रत्याशी विमलेश कुमारी ने अपनी ओर से राष्ट्रीय अध्यक्ष के जन्मदिन पर बधाई दी एवं कार्यकताओं से कहा की मजबूती से 2027 को लगे नाईम उल हसन उर्फ लड्डन मियां ने कहा की कार्यकर्ता पी डी ए को मजबूत करने का काम करें यही राष्ट्रीय अध्यक्ष को जन्मदिन पर सच्ची बधाई होगी कृष्ण मुरारी शंखधार जिला महासचिव ने कहा जन्मदिन की सही शुभकामनाएं समाजवादी पार्टी कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर पार्टी को मजबूत करें यही जन्मदिवस का सबसे अच्छा तोहफा होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने की संचालन कृष्ण मुरारी शंखधार जिला महासचिव ने किया सम्बोधन जनाब नबाब इकबाल महमूद साहब विधायक पूर्व मंत्री गुन्नौर विधायक राम खिलाडी सिंह यादव चंदौसी प्रत्याशी रही विमलेश कुमारी अखिलेश यादव नाईम उल हसन उर्फ लड्डन मियां शोभित कुमार काका सद्दाम कुरेशी चेतन गुप्ता कमल शर्मा हरवीर यादव सुनील यादव बलवंत सिंह पूरन लाल मौर्य अमित यादव ताहिर उल्ला खान उमेश यादव ओम प्रकाश प्रजापति सुरेन्द्र यादव इफ्तिखार भूरे अवनिश सगर कामरेड रेवाराम सुभाष पाल के पी सिंह सतीश शर्मा संजय मदान पासा हबीब अहमद रवेंद्र सिंह नदीम खान के पी यादव भावना सक्सैना लाल बहादुर यादव फैजान शही अमर सिंह यादव अकिल साहब ज्ञानेंद्र यादव अशोक यादव जिला अध्यक्ष शिक्षा मित्र विजय यादव रिंकु बाल्मिकी चरन सिंह नवीन यादव निसार अहमद मुनेंद्र यादव सुनीता यादव शकुन्तला देवी संगीता पाल लव कुमार यादव रवि यादव आकाश शखधार रवि शंखधार कपिल देव शिवकुमार बालिमिक मनीष यादव शिवम यादव रजत यादव राजवीर सिंह साबिर खान मनोज शर्मा राहुल गुप्ता डॉक्टर हो राम सिंह जाटव पप्पू शर्मा आदि उपस्थित रहे।

भगत जी इंटरनेशनल स्कूल में वन महोत्सव सप्ताह एवं राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर किया गया विशेष आयोजन

संभल (सब का सपना):- भगत जी इंटरनेशनल स्कूल में 1 जुलाई से 7 जुलाई तक "वन महोत्सव सप्ताह" का भव्य आयोजन किया गया। इस वर्ष सम्भल वन विभाग के सौजन्य से यह आयोजन "एक पेड़ माँ के नाम" थीम के अंतर्गत सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना और समाज को वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करना था। इस अवसर पर छात्रों, शिक्षकों ने मिलकर पौधे लगाए और उन्हें अपनी माताओं के नाम समर्पित किया, जिससे भावनात्मक जुड़ाव के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश पूरे समाज में प्रसारित हुआ। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर सम्भल के जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वन क्षेत्राधिकारी (DFO) प्रीति यादव विशिष्ट अतिथि रही व उन्होंने विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उनके साथ नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष राजेश शंकर राजू भी उपस्थित रहे। सम्भल वन विभाग के संयुक्त प्रभागीय वनाधिकारी (CO) श्री प्रभात कुमार ने कार्यक्रम में भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता दर्शाई। सभी अतिथियों ने वृक्षारोपण कर छात्रों को प्रकृति से जुड़ने और उसका संरक्षण करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन के सदस्य सर्वेश भगतजी, विमलेश वाष्णेय, पारुल वाष्णेय, भावना वाष्णेय, प्रीति वाष्णेय, निधि वाष्णेय, डॉ आलोक वार्ष्णेय एवं तनुज वाष्णेय झ ने भी कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने पर्यावरण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को प्रकृति से जुड़ने और हर वर्ष कम से कम एक वृक्ष लगाने की शपथ दिलाई। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. नेहा मलय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि डॉक्टर हमारे जीवन में भगवान के स्वरूप होते हैं। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ समाज के निर्माण में डॉक्टरों की भूमिका अमूल्य है। डॉ. नेहा ने साथ ही वृक्षारोपण के महत्व पर भी प्रकाश डाला और कहा कि आज जिस तेजी से पर्यावरण संकट गहराता जा रहा है, उसमें वृक्षारोपण और संरक्षण ही एकमात्र समाधान है। वन महोत्सव के साथ-साथ 1 जुलाई को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस भी विद्यालय परिसर में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सम्भल जनपद के वरिष्ठ चिकित्सकों को तुलसी के पौधे भेंट कर व शाल उढाकर सम्मानित किया गया। जिन चिकित्सकों को सम्मानित किया गया उनमें डॉ. आलोक, डॉ. नितिन, डॉ. सजल, डॉ. निधि सक्सेना, डॉ. महेश बाबू, डॉ संजय वार्ष्णेय, डॉ. दिलीप, डॉ. शिखा, डॉ. भरत एवं डॉ. सरताज शामिल रहे। विद्यालय परिवार ने इन सभी डॉक्टरों के समर्पण, सेवा औऱ मानवता के प्रति कर्तव्य को नमन करते हुए उन्हें हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया। इस पूरे आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय के समस्त स्टाफ, छात्र-छात्राओं, अभिभावकों और प्रबंधन समिति का सराहनीय सहयोग रहा। विद्यालय परिसर में लगाए गए पौधे अब छात्रों की जिम्मेदारी में हैं, जिन्हें वे नियमित रूप से जल देंगे और उनकी देखरेख करेंगे। इस प्रकार भगत जी इंटरनेशनल स्कूल द्वारा आयोजित वन महोत्सव सप्ताह एवं राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस का कार्यक्रम पर्यावरण और समाज सेवा के उत्कृष्ट समन्वय का प्रेरणादायक उदाहरण बनकर सामने आया।

पीएम श्री विद्यालय में तिलक लगाकर मालाओं के साथ बच्चों का किया गया स्वागत

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- जनपद के विकासखंड अमरोहा क्षेत्र के पीएम श्री संविलियन विद्यालय नन्हेड़ा अल्यारपुर में स्कूल चलो अभियान का शुभारंभ को लेकर बड़े ही उत्साह के साथ किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि धर्मेंद्र सिंह, कैलसा के मंडल अध्यक्ष और साथ ही ग्राम ने कमलेश कुमारी ने बच्चों को तिलक लगाकर मालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया। इस दौरान ग्राम प्रधान कमलेश कुमारी व पति शीशराम सिंह ने भी बच्चों का उत्साह बढ़ाया। इस दौरान धर्मेंद्र सिंह ने सभी बच्चों को नियमित विद्यालय आने के लिए प्रेरित किया। और समस्त स्टाफ ने तिलक लगाकर बच्चों का उत्साह वर्धन किया। मीना मंच की नोडल संध्या सिद्धू ने बालिकाओं को प्रेरित करके कहा कि शिक्षा से ही महिला सशक्तिकरण को बल मिलेगा। संध्या सिद्धू ने टोली बनाकर अभियान को सफल बनाने पर जोर दिया। इस दौरान धर्मेंद्र सिंह व शीशराम सिंह ने स्कूल चलो अभियान रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। स्कूल चलो अभियान रैली गांव में निकाली गई। जिसमें समस्त स्टाफ ने भाग लिया। इस दौरान संजीव सिरोही इंचार्ज अध्यापक ने सभी का आभार व्यक्त किया।

प्रा.वि. जीहल में बच्चों का हर्षउल्लास के साथ पुष्प भेंट कर किया गया स्वागत

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद प्राथमिक विद्यालय जीहल विकास क्षेत्र हसनपुर में बच्चों के आगमन पर समस्त स्टाफ द्वारा हर्षउल्लास के साथ पुष्प भेंट कर स्वागत किया गया इस अवसर पर विद्यालयों को गुब्बारे लगाकर सजाया गया अभियान की भी शुरूआत की गई। संचारी रोग से संबंधित जानकारी सभी छात्र छात्राओं को दी गई एवं विद्यालय मैं इससे संबंधित प्रतियोगिता आयोजित की गई। आज स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत रैली का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय के प्रधानाध्यापक योगेश कुमार द्वारा सभी अभिभावकों से बच्चों को रोज स्कूल भेजने एवं नवीन नामांकन कराने हेतु अनुरोध किया और साथ ही विद्यालय में वृक्षारोपण भी किया गया। इस शुभ अवसर पर प्रधान पति फरमान प्रधानाध्यापक योगेशकुमार, राजपाल, नीलम, नन्हे सिंह, दिशा चुनमुन, नरेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे

जिले में वन महोत्सव अभियान का शुभारंभ

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में वन महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान वन महोत्सव अभियान 1 जुलाई से 7 जुलाई तक मनाया जाएगा। हालांकि इस अभियान में अमरोहा जिले को 38 लाख 32 हजार 840 पौधे लगाने का लक्ष्य मिला है। इस दौरान वन महोत्सव के शुभ अवसर पर जिले के अलग-अलग स्थान पर वृक्षारोपण किया गया। वही विकास खण्ड गजरौला क्षेत्र की ग्राम पंचायत तिगरी में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मीनाक्षी चौधरी, ब्लॉक प्रमुख गजरौला एवं प्राथमिक विद्यालय तिगरी के अध्यापक, छात्र छात्राएं तथा वन विभाग धनौरा रेंज के द्वारा वृक्षारोपण किया गया। वहीं अमरोहा में वन महोत्सव का आयोजन वन विभाग द्वारा जीपीएस इंटर कॉलेज में किया गया। कार्यक्रम में चित्रकला प्रतियोगिता, वाद विवाद प्रतियोगिता तथा पर्यावरण आधारित प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। वृक्षारोपण के उपरांत एक एक पौधा छात्रों को गोद दिया गया। बाल पौध भंडारा और पौध यात्रा निकाली गई। सिहाली जागीर नगर वन में गजरौला ब्लॉक प्रमुख मीनाक्षी चौधरी राजपाल सैनी चेयरमैन नगरपालिका हसनपुर, इकराम चौधरी प्रधान सिहाली जागीर के वन विभाग के अधिकारियों द्वारा वृक्षारोपण किया गया। पौध बारात निकाली और पौध भंडारे का आयोजन किया गया।

घर से भागा 12 वर्षीय बालक मुंबई से बरामद

बाल कल्याण समिति सम्भल ने परिजनों को सौंपा

चंदौसी/संभल (सब का सपना):- थाना कुढ़ फतेहगढ़ क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव बिचेटा निवासी 12 वर्षीय सुनील S/O अर्जुन आठ माह पूर्व अचानक घर से लापता हो गया था। परिजनों द्वारा काफी खोजबीन के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं लग पाया था। इस बीच वह किसी तरह मुंबई पहुंच गया, जहां वह रेलवे स्टेशन पर संदिग्ध अवस्था में मुंबई पुलिस को मिला।पुलिस द्वारा पूछताछ के दौरान जब उसने अपना नाम, गांव व पिता का नाम बताया तो तुरंत बाल संरक्षण कानूनों के तहत उसे बालगृह में भेज दिया गया। पिछले आठ माह से वह मुंबई के एक बालगृह में रह रहा था। बातचीत के दौरान पता चला कि बच्चा सम्भल जिले का है तो मुम्बई पुलिस ने बाल कल्याण समिति सम्भल से सम्पर्क किया,बाल कल्याण समिति के अथक प्रयास के बाद जब उसकी पहचान पूरी तरह से सुनिश्चित हो गई, तो मुंबई पुलिस उसे लेकर बाल कल्याण समिति सम्भल पहुंची। बाल कल्याण समिति संभल में औपचारिकताएं पूरी करने के बाद बच्चे को सकुशल उसके पिता के हवाले कर दिया। पूर्व में भी ये बच्चा दो बार घर से भाग चुका है। परिजन भी उसकी इस आदत से बेहद चिंतित हैं।ऐसे में बाल कल्याण समिति ने उसके पिता को सलाह दी कि वे बच्चों के साथ संवाद बनाए रखें, उनकी समस्याओं को समझें और उन्हें अकेलापन महसूस न होने दें।यदि कोई बच्चा बार-बार घर से भागता है, तो उसे केवल डांटने के बजाय विशेषज्ञ मनोवैज्ञानिकों से परामर्श अवश्य लें। बाल कल्याण समिति की सक्रियता से बच्चा सुरक्षित अपने घर पहुंच गया, जिससे परिजनों ने राहत की सांस ली है। बच्चे की सुपुर्दगी देते समय बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष गौरव गुप्ता, सदस्य गौरव शर्मा, नूतन चौधरी,नीलम राय उपस्थित रहे।

जिले में परियोजना निदेशक अम्बरीस कुमार ने संभाला चार्ज, गिनाई प्राथमिकताएं

श्री अंबरीश कुमार पी डी डी आर डी ए अमरोहा

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- जिले में पी.डी डीआरडीए के पद पर अम्बरीस कुमार ने चार्ज ग्रहण कर लिया है। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने पी.डी, डी.आर.डी.ए अम्बरीस कुमार को जॉइनिंग लेटर सौंप कर विभागीय कार्य करने की जिम्मेदारी सौंप दी है। इस दौरान परियोजना निदेशक अम्बरीस कुमार ने बताया कि वह पूर्व में जिला मेरठ में जिला विकास अधिकारी के पद पर तैनात थे। जिन्होंने जिले में रहकर 3 वर्ष तक बेहतर ढंग से कार्य किया था। जिन्होंने तीन वर्ष मेहनत और लगन के साथ कार्य करके जिला मेरठ को एक नई दिशा दी। वहीं शासन के निर्देश पर उनका तबादला जिला मेरठ से जिला अमरोहा में परियोजना निदेशक के पद पर हुआ। उन्होंने कहा है कि शासन की प्राथमिकता ही हमारी प्राथमिकता है। जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर सर्वे का कार्य किया जा रहा है। वही पात्र लोगों को ही प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाया जाएगा। उन्होंने कहा है कि जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स और मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्रा के निर्देश पर सांसद और विधायक द्वारा किए जा रहे कार्य को बेहतर ढंग से प्राथमिकता दी जाएगी। इसी के साथ-साथ जिले में विधायक और सांसद निधि द्वारा समय-समय पर कार्य होते रहेंगे। और साथ ही गुणवत्तापूर्ण जनता की समस्याओं का समाधान भी किया जाएगा।

गजरौला में युवक को मारी गोली, हालत गंभीर

अमरोहा(सब का सपना):- गजरौला थाना क्षेत्र में तिगरी मार्ग पर मंगलवार शाम एक चौंकाने वाली घटना सामने आई। कुमराला गांव के 33 वर्षीय योगेश पुत्र चरन सिंह को शौच के लिए खेत जाते समय गोली मार दी गई। घटना मंगलवार शाम की है। योगेश टहलते हुए शौच के लिए पास के खेत की तरफ जा रहा था। इसी दौरान खेत से एक युवक निकला और उसने योगेश को आवाज दी। योगेश ने जब देखा तो युवक के हाथ में तमंचा था। तमंचा देखकर योगेश डर गया और भागने लगा। आरोप है कि भागते समय आरोपी ने पीछे से गोली चला दी, जो योगेश के सीधे कंधे में लगी। गोली लगने के बाद योगेश गिर गया और आरोपी मौके से फरार हो गया। घायल योगेश ने अपने मित्र राजीव को फोन किया। राजीव तुरंत मौके पर पहुंचा और उसे गजरौला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गया। गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर कर दिया गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस छानबीन कर रही है।

दिल्ली की सड़कों पर गड्ढों का राज, कब मिलेगी राहत? इन इलाकों का सबसे बुरा हाल

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने हाल ही में सड़कों के 3400 गड्ढे एक दिन में भरने का दावा किया। इसके निमित्त उत्सव जैसा आयोजन कर जोर-शोर से कुछ गड्ढे भरे भी गए, लेकिन दिल्ली की सड़कों के बड़े गड्ढे अपने भरने का इंतजार ही करते रह गए। पूर्वी और दक्षिणी दिल्ली के हालात बाकी स्थानों से ज्यादा खराब हैं। यहां की सड़कों को अपने गड्ढे भरे जाने की अब भी प्रतीक्षा है। दिल्ली में कई स्थानों पर ये गड्ढे मानसून में परेशानी और हादसों का सबब बन सकते हैं। बावजूद इसके कोई इसकी सुध लेने को तैयार नहीं। मानसून में तो इनकी भराई मुश्किल दिख रही है। पूरी दिल्ली में सड़कों की स्थिति खराब लुटियंस दिल्ली को छोड़ दें तो आमतौर पर पूरी दिल्ली में सड़कों की स्थिति अच्छी नहीं है। विशेष कर पूर्वी और दक्षिणी दिल्ली में। यहां की सड़कें इस मानसून दिल्लीवासियों को बेहद दर्द देंगी। पूर्वी दिल्ली की बात करें तो यमुनापार की सड़कें पीडब्ल्यूडी के सड़कों के गड्ढा मुक्त करने के दावों की पोल खोल रही हैं। यहां सड़कों पर गड्ढों की भरमार है। सवाल उठ रहे हैं कि अगर पीडब्ल्यूडी ने गड्ढे भरकर अपनी पीठ थपथपाई तो जो गड्ढे सड़कों पर हैं, उन्हें भरने की किसकी जिम्मेदारी है। मानसून शुरू हो गया है, ऐसे में मानसून के दौरान सड़कों की मरम्मत न करने का बहाना आम है। जाहिर है कि इस कारण स्थानीय लोगों को मानसून में सड़कों के गड्ढों का दर्द तो झेलना ही पड़ेगा। यमुनापार के इन इलाकों में गड्ढों की भरमार यमुनापार में जफराबाद रोड, सीलमपुर रोड, वजीराबाद रोड, जीटी रोड, स्वामी दयानंद मार्ग, सुंदर नगरी रोड, मयूर विहार, कोंडली और करावल नगर रोड समेत कई सड़कों पर गड्ढों की भरमार है। ऐसा नहीं है कि यह गड्ढे अभी हुए हैं। एक साल से लेकर पांच माह पुराने यह गड्ढे हैं। आरोप है जिस वक्त पीडब्ल्यूडी ने गड्ढे भरने का विशेष अभियान चलाया था, तब मौजूदा सड़कों के गड्ढों पर आंखे मूंद ली गई थी, इन्हें भरने का कोई उपक्रम अब तक नहीं किया गया। अब जब मानसून ने दिल्ली में दस्तक दे दी है तो ऐसे में इन्हें भरे जाने की उम्मीद भी अब समाप्त हो गई है। कुछ ऐसा ही हाल दक्षिणी दिल्ली का भी है। यहां प्रेस एन्क्लेव रोड पर शेख सराय के पास पांच में से तीन गड्ढे पीडब्ल्यूडी ने भर दिए, जबकि दो गड्ढे में मलबा भरकर छोड़ दिया है। दक्षिण दिल्ली के इस मार्ग पर हर रोज कोई न कोई होता है चोटिल मोदी मिल फ्लाईओवर के नीचे सर्विस रोड पीडब्ल्यूडी ने खोद कर छोड़ रखी है।

अमरनाथ यात्रा के लिए चंदौसी से जत्था रवाना

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अमरनाथ यात्रा करेंगे मिनी वृंदावन नगरी चंदौसी के श्रद्धालु। चंदौसी से श्री मूछो वाले बाबा का आशीर्वाद लेकर एक जत्था मंगलवार को शाम को रवाना हुआ। चंदौसी से काफी लोग लगातार अमरनाथ यात्रा पर जाते है इस वर्ष यात्रा होगी। इस यात्रा में 4 पुरुष और एक महिला भक्त शामिल है। बाबा के दर्शन करके माँ वैष्णो देवी के दर्शन के लिए जाएँगे। महिला भक्त पूनम वार्ष्णेय ने कहा मैं पहली बार अपने पति के साथ अमरनाथ यात्रा पर जा रही हूँ जत्था रवाना होने से पूर्व वैश्य एकता मंच के पदाधिकारियों द्वारा भोले भक्तों का पटका पहनाकर स्वागत किया और भगवान भोलेनाथ की पूजा की और उनसे प्रार्थना की यात्रा सफल हो। महादेव के जयकारो के साथ जत्था रवाना हुआ। अमरनाथ यात्रा जाने वालो में अर्पित वार्ष्णेय, मधुर वार्ष्णेय, अक्षय वार्ष्णेय, पूनम वार्ष्णेय, तुषार वार्ष्णेय क्रिस्टल रहे। इस दौरान वैश्य एकता मंच से लवित वार्ष्णेय, कौशल किशोर वन्देमातरम, आकाश वार्ष्णेय, दीपेश सेठ, प्रथम वार्ष्णेय, अभिनव वार्ष्णेय, हेमंत वार्ष्णेय आदि लोग उपस्थित रहे।

संस्कृति की दें जानकारी, मतांतरण के जाल फंसने से बचाना स्वजन की भी जिम्मेदारी: रेखा गुप्ता

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने द अनटोल्ड केरला स्टोरी पुस्तक विमोचन में कहा कि मतांतरण का जाल संगठित रूप से फैला है। बच्चियों को धर्म और संस्कृति का ज्ञान देना होगा

दक्षिणी दिल्ली: "द अनटोल्ड केरला स्टोरी" केवल शब्दों का संग्रह नहीं, हजारों बच्चियों की चीख-पुकार है, जो हमारी आत्मा को झिंझोड़ने के लिए संकलित करके हमारे सामने रखी गई है। मतांतरण का जाल समाज में संगठित तरीके से फैलाया गया है। इससे बच्चियों को बचाने की जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं परिवार की भी है। हमें अपनी बच्चियों को धर्म और संस्कृति का ज्ञान देना होगा। परिवार में संवाद का दायरा बढ़ाना होगा। "गुड टच-बैड टच" की तरह मतांतरण पर भी खुलकर बात करें। यह बातें मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में सोमवार को "द अनटोल्ड केरला स्टोरी" पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास ऐसा होना चाहिए कि हमारी बच्चियां ये कह सकें कि मानसिक, शारीरिक और वैचारिक रूप से उसे कोई अपने रंग में ढाल नहीं सकता। अपना रंग उस पर चढ़ा नहीं सकता। अपनी आत्मरक्षा करते हुए वह देश के लिए खड़ी रह सकती है। वहीं राज्यसभा सदस्य डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने भी कहा इस तरह के तमाम मामलों की एनआइए जांच हो और इन्हें कोर्ट तक ले जाया जाए। सरकार इस पर कानून बनाए। केरल में हमारी सरकार नहीं है, फिर भी केंद्र सरकार जहां तक संभव हो नियम-कानून बनाए। तभी बच्चियों के मतांतरण पर रोक लगेगी। वहीं इस तरह की साजिश से बचाव के लिए जागरूकता भी जरूरी है। धर्म और इतिहास की सही जानकारी से व केवल बच्चे अपनी संस्कृति पर गर्व करेंगे, बल्कि इस तरह की साजिशों से खुद का बचाव करने में भी सक्षम होंगे। इस अवसर पर फिल्म निमार्ता व निर्देशक विपुल अमृतलाल शाह, लेखक द्वय सुदिप्तो सेन व अंबिका जेके, सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता मोनिका, जी श्रीदाथन आदि उपस्थित रहे।

अरे बाप से सिर्फ 6 समोसो के लिए यूपी में बिक गया पुलिसवाला

एटा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के एटा जिले में एक 14 साल की नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के मामले की जांच में पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे हैं। विशेष पॉक्सो कोर्ट के जज नरेंद्र पाल राणा ने पुलिस की अंतिम रिपोर्ट को खारिज कर जांच अधिकारी को कड़ी फटकार लगा दी है। आरोप है कि जांच अधिकारी ने केवल 6 समोसे रिश्वत के रूप में लेकर मामले की सही जांच नहीं की और गलत रिपोर्ट अदालत में दी। यह घटना 1 अप्रैल 2019 की है, जब एक नाबालिग लड़की के साथ अश्लील हरकतें हुईं। पीड़िता के पिता का आरोप है कि पुलिस ने शुरू से ही मामले को दबाने की कोशिश में लगी हुई और कोर्ट के आदेश के बाद ही एफआईआर दर्ज हुई। पुलिस ने 30 दिसंबर 2024 को सबूतों के अभाव में अंतिम रिपोर्ट पेश कर दी। पीड़िता के पिता ने विरोध याचिका दाखिल कर बताया कि जांच अधिकारी ने मुख्य गवाहों के बयान नहीं लिए और पीड़िता के बयान को भी नजरअंदाज किया। पुलिस की रिपोर्ट में लिखा गया कि लड़की ने केवल उधार के लिए समोसे मांगे थे और जब नहीं मिले, तब झूठा मामला दर्ज कराया। कोर्ट ने रिपोर्ट को सिरे से खारिज कर मामले को परिवाद के रूप में चलाने का आदेश दिया है।

एआईयूडीएफ विधायक का दावा, असम में एक भी मुसलमान विदेशी नहीं

गुवाहाटी (एजेंसी)। एआईयूडीएफ विधायक रफीकुल इस्लाम ने असम सरकार के जिला आयुक्त कार्यालय से ही आधार कार्ड जारी करने के फैसले पर हमला किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने बांग्लादेशी हिंदुओं को असम में रहने दिया है। इस्लाम ने कहा कि असम में एक भी मुसलमान विदेशी नहीं है, क्योंकि उनके पास सभी आवश्यक दस्तावेज जैसे मतदाता सूची, भूमि रिकॉर्ड और एनआरसी के पिता-दादा के कागजात मौजूद हैं। उन्होंने भाजपा पर हमला कर कहा कि जिनके लिए भाजपा ने लाल कालीन बिछाया है, वे बांग्लादेश से आ रहे बंगाली हिंदू हैं, जो अभी भी आ रहे हैं, और 1971 के बाद वे लाखों की संख्या में आए हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को भाजपा निशाना बनाती है और डीसी कार्यालय ले जाना चाहती है, उनके पास कागजात और असली रिकॉर्ड हैं। इस्लाम ने मांग की कि डीसी कार्यालय में ऐसी व्यवस्था की जाए जिससे लोगों को लंबी कतारों में न लगना पड़े। असम सरकार के बेदखली अभियान पर उन्होंने कहा कि सरकार संदिग्ध लोगों को नहीं, बल्कि भूमिहीन लोगों को बेदखल कर रही है, जिनके पास 200 और 400 साल पुराने रिकॉर्ड भी हैं।

चंद्रशेखर आजाद की चेतावनी, कार्यकर्ताओं के साथ गलत हुआ, तब आंदोलन लखनऊ में

लखनऊ (एजेंसी)। प्रयागराज में हिंसक बवाल को लेकर नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर उनके कार्यकर्ताओं के साथ गलत हुआ तब आंदोलन राजधानी लखनऊ में होगा और मुख्यमंत्री आवास तथा विधानसभा का घेराव किया जाएगा। सांसद चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के अनुयायी कभी हिंसा नहीं करते और कमजोर वर्ग के लोगों पर हिंसा का आरोप लगाना काफी आसान होता है। उन्होंने प्रयागराज हिंसा की सीबीआई जांच की सख्त मांग कर कहा है कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, चाहे वे कोई भी हों। उन्होंने वायरल हो रहे वीडियो का जिक्र किया, जिसमें पुलिस के साथ मिलकर कुछ स्थानीय लोग पथराव कर रहे हैं। गौरतलब है कि प्रयागराज के करछना इलाके में चंद्रशेखर आजाद का दौरा पुलिस ने सुरक्षा कारणों से रोक दिया था, जिसके बाद भीम आर्मी कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया, पुलिस की गाड़ियों पर पथराव किया और कई वाहन आग के हवाले कर दिए। इस घटना के बाद 50 से अधिक प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया है।

प्रियांक खड़गे बोले-संघ धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद के खिलाफ

-केंद्र में आए तो आरएसएस को बैन करेंगे

बेंगलुरु (एजेंसी)। कांग्रेस नेता प्रियांक खड़गे ने मीडिया से बातचीत में कहा कि अगर केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनती है, तो आरएसएस पर बैन लगाया जाएगा। प्रियांक ने आरएसएस पर धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद के खिलाफ काम करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पहले भी दो बार आरएसएस पर बैन लगाया था और अब उन्हें उसे हटाने का अफसोस है। उनके मुताबिक, संघ हमेशा समानता और आर्थिक न्याय के विरोध में रहा है। प्रियांक खड़गे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे हैं और अभी कर्नाटक सरकार में मंत्री हैं। पहले भी आरएसएस को बैन करने की बात कर चुके हैं। 2 साल उन्होंने कर्नाटक में आरएसएस को बैन करने की बात कही थी। प्रियांक खड़गे ने आरएसएस-भाजपा से देश को लेकर कोई सवाल नहीं पूछती। प्रियांक ने कहा कि आरएसएस अपनी राजनीतिक पार्टी भाजपा से ये सवाल क्यों नहीं पूछती कि देश में बेरोजगारी क्यों बढ़ रही है और पहलगाम में आतंकी हमला कैसे हुआ, ये किसकी चूक थी। यह प्रश्न न पूछकर संघ के लोग समाज में नफरत फैलाने का काम कर रहे हैं।

'एक पेड़ मां के नाम' से राष्ट्रपति मुर्मू ने किया वन महोत्सव का शुभारंभ, रोपा रुद्राक्ष का पौधा

गोरखपुर (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में 'वन महोत्सव-2025' की शुरुआत करते हुए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधा लगाया। उन्होंने महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के लोकार्पण समारोह में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत रुद्राक्ष का पौधा रोपा। राष्ट्रपति ने पौधों के संरक्षण पर भी जोर दिया। 'वन महोत्सव-2025' एक से सात जुलाई तक चलेगा। लखनऊ में जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार राष्ट्रपति ने वहां आयुष विश्वविद्यालय में जनप्रतिनिधियों से मुलाकात करने के बाद प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

देश समस्याओं में 56 इंच बताने वाले विदेश यात्रा पर निकले... कांग्रेस का पीएम मोदी की यात्रा पर तंज

-कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने पीएम मोदी से पूछे सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 से 9 जुलाई तक पांच देशों घाना, त्रिनिदाद और टोबेगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की यात्रा पर जा रहे है। जिसका समापन 6 और 7 जुलाई को रियो डी जनेरियो में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में होगा। यह बीते दस वर्षों में पीएम मोदी की सबसे लंबी कूटनीतिक यात्रा होगी। वहीं कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्रा पर निशाना साधकर आरोप लगाया है कि वे देश को आंदोलित करने वाले प्रमुख मुद्दों से भाग रहे हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश और सांसद राहुल गांधी ने पोस्ट कर और बयानों के माध्यम से पीएम मोदी पर कटाक्ष किया। कांग्रेस सांसद रमेश ने प्रधानमंत्री मोदी की पांच देशों की यात्रा से पहले मंगलवार को उन पर कटाक्ष किया। कांग्रेस नेता रमेश ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी राष्ट्रीय मुद्दों से भाग रहे हैं। कांग्रेस नेता रमेश ने पोस्ट शेयर कर लिखा कि जैसे ही हालात मुश्किल हुए, तब खुद को 56 इंच बताने वाले निकल लिए। सुपर प्रीमियम फ्रीक्वेंट फ्लायर पीएम 5 देशों के 8 दिन के दौरे पर रवाना हो गए हैं। उन्होंने कहा कि वे कम से कम 4 इसतरह के मुद्दों से भाग रहे हैं जो इस समय देश को झकझोर रहे हैं। इन मुद्दों पर पीएम मोदी ने अभी तक कोई बयान नहीं दिया है।

मणिपुर हिंसा-कांग्रेस नेता रमेश ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी ने मणिपुर का दौरा नहीं किया, जहाँ डबल इंजन सरकार के पटरी से उतरने के बाद सामान्य जीवन पूरी तरह से तबाह हो चुका है। लेकिन देश और दुनिया भर में यात्रा कर रहे पीएम मोदी को मणिपुर जाने का समय नहीं है।

ऑपरेशन सिंदूर- रक्षा अधिकारियों के खुलासे का हवाला देकर कांग्रेस नेता रमेश ने दावा किया कि प्रधानमंत्री के फैसलों के कारण ऑपरेशन सिंदूर के पहले दो दिनों में भारत को नुकसान झेलना पड़ा। लेकिन इस गंभीर मामले पर भी पीएम मोदी ने अभी तक विपक्ष की मांग स्वीकार नहीं की हैं, और ना ही इस विषय पर कोई बयान दिया है। अमेरिका-पाक युद्धविराम का दावा- कांग्रेस नेता रमेश द्वारा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा बार-बार किए गए उन दावों

पर भी सवाल उठाया गया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम कराया और इसके लिए व्यापार समझौते का इस्तेमाल किया। इसके पहले कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने ऑपरेशन सिंदूर में संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा मध्यस्थता के अपने आरोपों को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर हमला किया, उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिकी नेता के आह्वान के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रम्प का अनुसरण किया। भोपाल में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के सम्मेलन को संबोधित कर राहुल गांधी ने भाजपा-आरएसएस पर हमला कर आरोप लगाया कि अगर उन पर थोड़ा सा भी दबाव डाला जाता है, तब वे डर के मारे भाग जाते हैं।

आसाराम बापू को राजस्थान हाईकोर्ट से फिर मिली अंतरिम राहत

जयपुर। नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे आसाराम बापू को राजस्थान हाई कोर्ट से फिर अंतरिम राहत मिली है। जस्टिस दिनेश मेहता और विनीत माथुर की खंडपीठ ने उनकी अंतरिम जमानत की अवधि 9 जुलाई तक बढ़ाई है। उन्हें मंगलवार शाम जेल में पेश होना था, लेकिन उनके वकील द्वारा पेश की गई अर्जी पर कोर्ट ने उन्हें ये राहत दी। इस फैसले से आसाराम को कुछ और दिनों की मोहलत मिल गई है, लेकिन यह मामला अभी भी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। आसाराम को 25 अप्रैल 2018 को दोषी ठहराया गया था और उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। यह मामला अगस्त 2013 का है, जब एक नाबालिग लड़की ने उन पर जोधपुर के पास मनाई आश्रम में दुष्कर्म का आरोप लगाया था। आसाराम कई बार स्वास्थ्य कारणों से जमानत की अर्जी लगा चुके हैं, लेकिन उन्हें या तो खारिज किया गया है या सीमित समय के लिए अंतरिम राहत दी गई है।

आसाराम और उनके बेटे नारायण साईं के खिलाफ गुजरात में भी दो बहनों ने अलग-अलग बलात्कार और यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। गुजरात मामलों की सुनवाई अभी चल रही है। आसाराम जोधपुर की केंद्रीय जेल में सजा काट रहे हैं। उन्होंने कई बार स्वास्थ्य कारणों से जमानत की अर्जी लगाई है, जिसे कोर्ट ने खारिज किया है या सीमित समय के लिए अंतरिम राहत दी है।

'सिगाची इंडस्ट्रीज' में हुए विस्फोट में मरने वालों की संख्या 34 हुई

-31 शवों को मलबे से निकाला, सीएम करेंगे घटनास्थल का दौरा

संगारेड्डी (एजेंसी)। तेलंगाना में संगारेड्डी जिले में पशम्यलाराम में 'सिगाची इंडस्ट्रीज' के दवा संयंत्र में सोमवार को हुए विस्फोट में मरने वालों की संख्या बढ़कर 34 हो गई है। एसपी ने जानकारी देते हुए बताया कि मलबे को हटाते समय उसके नीचे कई शव मिले हैं। मलबे से 31 शवों को निकाला गया है, जबकि तीन लोगों की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। बचाव अभियान अब भी जारी है।

तेलंगाना के स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने बताया कि सीएम ए रेवंत रेड्डी मंगलवार को दुर्घटना स्थल का दौरा करेंगे. इससे पहले एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि सीएम ने घटना पर दुख जताया और मलबे में फंसे श्रमिकों को बचाने के लिए हरसंभव कदम उठाने और उन्हें आधुनिक उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। राज्य के मंत्री नरसिम्हा ने बताया कि जब विस्फोट हुआ तब संयंत्र में करीब 90 लोग काम कर रहे थे।

बता दें पीएम नरेन्द्र मोदी ने इस हादसे पर दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के लिए दो-दो लाख रुपए और घायलों के लिए 50-50 हजार रुपए की अनुग्रह राशि की घोषणा की थी। वहीं कंपनी ने इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है और मृतकों के परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना की है। कंपनी ने इस बात पर जोर दिया कि इकाई का बीमा था। कंपनी ने प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता देने का आश्वासन भी दिया है।

तेलंगाना राज्य आपदा मोचन और अग्निशमन सेवा के महानिदेशक ने कहा कि संदेह है कि विस्फोट संयंत्र की सुखाने वाली इकाई में हुआ। हालांकि, पुलिस महानिरीक्षक ने कहा कि यह रिएक्टर विस्फोट का मामला था।

सामूहिक दुष्कर्म मामला: मनोजीत छात्रों को फ्लैट पर चलने का देता था ऑफर

-पीड़ित छात्रा पर थी कई दिनों से नजर, पिकनिक पर छात्रा से की थी छेड़छाड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता,(ईएमएस)। साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज में सामूहिक दुष्कर्म की जांच चल रही है। इसी बीच मुख्य आरोपी मनोजीत मिश्रा को लेकर नए खुलासे हुए हैं। कुछ छात्राओं का कहना है कि मनोजीत लड़कियों को फ्लैट पर ले जाने का ऑफर देता था। वहीं, कई मौकों पर उसने छात्राओं के साथ अश्लील व्यवहार भी किया है। वहीं बताया जा रहा है कि पीड़ित छात्रा लंबे समय से मनोजीत के निशाने पर थी। घटना की जांच कर रहे जांच दल के अधिकारियों ने पाया कि तीन आरोपी मनोजीत मिश्रा, प्रोमित मुखर्जी और जैद का कॉलेज की छात्राओं का यौन उत्पीड़न करने का इतिहास रहा है। चौथा आरोपी कॉलेज का सुरक्षा गार्ड है।

मीडिया रिपोर्ट में अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि तीनों इस तरह की घटनाओं को अपने मोबाइल फोन पर रिकॉर्ड करते थे और बाद में फुटेज का इस्तेमाल पीड़ितों को 'ब्लैकमेल' करने के लिए करते थे। एक रिपोर्ट के मुताबिक कॉलेज में पढ़ने वाली सेकंड ईयर की एक छात्रा ने पिकनिक के दौरान हुई एक के बारे में बताया। उसने बताया कि मनोजीत ने उन्हें भी निशाना बनाया था। छात्रा ने कहा कि पिकनिक के दौरान मनोजीत चाहता था कि मैं और मेरी दोस्त एक कमरे में आएं और पार्टी करें। मुझे मेरे सीनियर्स ने पहले ही अलर्ट कर दिया था, तो मैं नहीं गई। छात्रा ने कहा लेकिन मेरी दोस्त उसके साथ चली गई। उसने बाद में मुझे बताया कि मनोजीत ने उसे आपत्तिजनक तरीके से छुआ था। वह बहुत ही असहज महसूस कर रही थी, लेकिन उसने उसके खिलाफ कोई शिकायत नहीं की। छात्रा ने आरोप लगाए कि मनोजीत ने उससे कहा था कि अगर वह शिकायत करती है, तो उसके लिए गवाह जुटाना मुश्किल हो जाएगा। छात्रा ने कहा कि पिकनिक खत्म होने के बाद ऑटो से लौटते समेत मनोजीत एक सीनियर छात्रा की गोद में बैठ गया था। रिपोर्ट के मुताबिक एक छात्र ने कहा कि मनोजीत ने अगस्त 2023 में उसे ऐसे लोगों को खोजने के लिए कहा था, जो कॉलेज में सीट खरीदना चाहते हैं। पुलिस अधिकारी के हवाले से बताया है कि पूरे मामले की पहले से ही साजिश रची गई थी। तीनों की कई दिनों से पीड़िता पर नजर थी। हमें पता चला है कि कॉलेज में दाखिले के पहले दिन से मुख्य आरोपी पीड़िता पर नजर रख रहा था। अधिकारी ने कहा कि रविवार को आरोपी मुखर्जी और जैद के घरों की तलाशी ली गई। हम इससे और संभवत- अन्य मामलों से संबंधित फुटेज की तलाश कर रहे हैं।

अधिकारी ने कहा कि हम यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या उन वीडियो क्लिप को आगे फॉरवर्ड किया गया या किसी अन्य समूह के साथ साझा किया गया। इस मामले में हमें उन लोगों से भी संपर्क करना होगा जिन्हें ये वीडियो क्लिप मिले हैं। एक जांच अधिकारी ने बताया कि महाविद्यालय से प्राप्त सीसीटीवी फुटेज से छात्रा की सामूहिक दुष्कर्म के आरोपों की पुष्टि हुई है। उन्होंने बताया कि सात घंटे से अधिक समय की फुटेज में महाविद्यालय परिसर के आसपास की गतिविधियां दर्ज हुई हैं, जिसमें पीड़िता को गार्ड के कमरे में जबरदस्ती ले जाने की घटना भी शामिल है।

अमरनाथ यात्रा 2025 की तैयारियां : उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने की समीक्षा

जम्मू। श्रीनगर में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने 2025 की अमरनाथ यात्रा की अंतिम तैयारियों की समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में राज्य प्रशासन, पुलिस और अमरनाथ श्राइन बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बैठक में उपराज्यपाल सिन्हा ने तीर्थयात्रियों की सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए यातायात और सुरक्षा व्यवस्था की विस्तार से समीक्षा की। उपराज्यपाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि यातायात एडवाइजरी का व्यापक प्रचार करे, ताकि स्थानीय लोगों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। इतना ही नहीं उनके द्वारा अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया कि सभी तीर्थयात्रियों की आवाजाही निर्धारित काफिलों के अनुसार हो और यातायात योजना का सख्ती से पालन किया जाए। इसके लिए जिला प्रशासन, एसएसपी, यातायात पुलिस और अन्य विभागों को आपसी समन्वय से काम करने के निर्देश दिए गए। सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि लॉजमेंट सेंटर और स्वच्छता इकाइयों की स्थिति अच्छी रखी जाए। अधिकारियों से यह भी कहा गया कि हर स्तर पर तैयारियां दुरुस्त होनी चाहिए ताकि यात्रा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। बैठक में मुख्य सचिव अतुल डुल्लू, जल शक्ति विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शलीन काबरा, पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात, एसएसपी, ट्रैफिक अधिकारी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

वेंकैया नायडू ने मनाया 76वां जन्मदिन, विकास से मुद्दों पर खुलकर रखते हैं राय

-जटिलताओं को सरलता और विनम्रता से किया पार, उपराष्ट्रपति का पद भी संभाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज यानी 1 जुलाई को भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू का 76वां जन्मदिन हैं। वेंकैया नायडू ने राष्ट्रसेवा और जनसेवा को हमेशा सर्वोपरि माना। उन्होंने राजनीति में अपने शुरूआती दिनों से लेकर उपराष्ट्रपति जैसे शीर्ष पद तक की जटिलताओं को सरलता और विनम्रता से पार किया है। वह अपनी हाजिरजवाबी, वाकपटुता के लिए भी जाने जाते हैं, साथ ही वह विकास से जुड़े मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखते हैं।

आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जिले के चावटपलेम में 1 जुलाई 1949 को वेंकैया नायडू का जन्म हुआ था। उन्होंने अपनी शुरूआती शिक्षा नेल्लोर के वी आर हाईस्कूल से पूरी की। फिर वी आर कॉलेज से राजनीति व राजनयिक अध्ययन में स्नातक किया। साल 1974 में वह आंध्र विश्वविद्यालय में छात्र संघ के अध्यक्ष चुने गए। वेंकैया नायडू आंध्र प्रदेश में छात्र नेता के रूप में सक्रिय राजनीति से जुड़े रहे। राजनीति के पहले पड़ाव पर ही उन्होंने अपनी प्रतिभा, वक्तृत्व क्षमता और संगठन कौशल की छाप छोड़ी थी।

उन्होंने संघ के साथ काम किया और विचार को व्यक्तिगत हितों से ऊपर रखा। बाद में नायडू ने जनसंघ और फिर बीजेपी को मजबूत किया। साल 1978 में आंध्र प्रदेश में कांग्रेस के पक्ष में मतदान हुए तब प्रतिकूल परिस्थितियों के बाद भी वेंकैया नायडू ने जीत हासिल की। वहीं जब पांच साल बाद राज्य में एनटीआर की लोकप्रियता सबसे ज्यादा थी, तब भी नायडू बीजेपी के विधायक चुने गए। उनकी इस जीत ने आंध्र प्रदेश समेत दक्षिण भारत में बीजेपी के लिए भविष्य के बीज बो दिए।

अटलजी की सरकार में जब नायडू से पूछा गया कि वह किस मंत्रालय के तहत काम करना चाहते थे, तो उन्होंने ग्रामीण विकास मंत्रालय को प्राथमिकता दी। एक मंत्री के तौर पर प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना को जमीन पर उतारने में नायडू की अहम भूमिका रही। साल 2000 से 2004 तक वह बीजेपी के अध्यक्ष रहे। साल 2014 में जब एनडीए सरकार ने सत्ता संभाली तब नायडू ने शहरी विकास, आवासन एवं शहरी गरीबी उन्मूलन जैसे अहम मंत्रालयों का कार्यभार संभाला। वेंकैया नायडू के कार्यकाल में ही स्वच्छ भारत मिशन और अन्य शहरी विकास से संबंधी कई अहम योजनाएं शुरू हुईं।

2017 में वेंकैया नायडू को उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के तौर पर नामित किया। वह भारत के 13वें उपराष्ट्रपति निर्वाचित हुए। वहीं 11 अगस्त 2017 को वह उपराष्ट्रपति बने, इस पद पर वह 10 अगस्त 2022 तक रहे। 2024 में वेंकैया नायडू को पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया।

डीके के अरमानों पर फिरा पानी, सुरजेवाला बोले- सीएम सिद्धारमैया की जगह कोई नहीं लेगा

-कर्नाटक में नहीं होगा नेतृत्व परिवर्तन

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में बीते कई दिनों से उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के समर्थक मांग कर रहे थे कि अब राज्य नेतृत्व परिवर्तन हो जाना चाहिए। सीएम सिद्धारमैया की जगह पर उन्हें मुख्यमंत्री बनने की मांग थी, लेकिन मंगलवार को जो कुछ हुआ उससे डीके और उनके समर्थक विधायकों के अरमानों पर पानी फिर गया। दरअसल कांग्रेस हाईकमान की ओर से भेजे गए कर्नाटक प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने डीके को अपनी बगल में बिठाकर दावा खारिज कर दिया है। उन्होंने प्रेस से चर्चा के दौरान कहा कि यदि आपका सवाल है कि क्या कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन होने वाला है, तब मेरा सीधा जवाब ना में है। प्रभारी सुरजेवाला ने कहा, आप मुझसे पूछ रहे हैं कि क्या कर्नाटक में नेतृत्व बदल रहा है। इस पर

मेरा एक ही जवाब है कि नहीं कोई परिवर्तन नहीं होने वाला है। आने वाले पांच सालों तक सिद्धारमैया ही मुख्यमंत्री पद पर आसीन रहने वाले है।

सुरजेवाला ने कहा, कई विधायकों की ओर से लीडरशिप चेंज की मांग उठी है। इस पर सुरजेवाला ने कहा कि मैं अपने विधायकों को सलाह देता हूं कि यदि उन्हें कोई परेशानी है, तब फिर मसले को मीडिया में उठाने की बजाय पार्टी फोरम पर बात करें। यदि राज्य के संगठन में कोई दिक्कत है, तब फिर प्रदेश अध्यक्ष से बात कर सकते हैं। सरकार में कोई समस्या हो, फिर मुख्यमंत्री से बात करनी चाहिए। इस दौरान डीके उनके बगल में एकदम शांत बैठे दिखे। उनके चेहरे पर उदासी का भाव दिख रहा था, जिसे वे संभालने की कोशिश कर रहे थे।

सुरजेवाला ने कर्नाटक में चल रहे सियासी नाटक पर विराम लगाने की कोशिश की है। लेकिन अब देखना यह हैं कि प्रेसवार्ता में शांत दिख रहे डीके या फिर उनके समर्थक विधायक आने वाले दिनों में किसी तरह से इस फैसले को लेते है।

52 उपग्रहों के प्रक्षेपण की प्रक्रिया को तेज़ करेगा भारत, सशस्त्र बलों के लिए जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुश्मन के इलाके की 'गहरी' और 'लगातार' निगरानी के कारण भारत का ऑपरेशन सिंदूर सफल रहा था। इस सैन्य टकराव के दौरान देश को बहुत कुछ सीखने को भी मिला। इसी सीख को ध्यान में रखकर दुश्मन के इलाके की सतत निगरानी की आवश्यकता को देखकर मोदी सरकार ने अपने सशस्त्र बलों के लिए 52 उपग्रहों के प्रक्षेपण की प्रक्रिया को तेज़ किया है।

बता दें कि भारत सरकार सशस्त्र बलों के लिए 52 समर्पित उपग्रहों की लांच प्रक्रिया को तेज़ी से आगे बढ़ा रही है। इस मिशन को रक्षा अंतरिक्ष एजेंसी (डीएसए) के नेतृत्व में क्रियान्वित किया जा रहा है और यह रक्षा मंत्रालय की इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ (आईडीएस) के तहत संचालित हो रहा है। बात दें कि स्पेस-बेस्ड सर्विलांस (एसबीएस) कार्यक्रम के तीसरे चरण को बीते वर्ष अक्टूबर में प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति ने मंजूरी दी थी। इसकी लागत 26,968 करोड़ रुपये है। इस परियोजना के तहत इसरो द्वारा 21 और तीन निजी कंपनियों द्वारा 31 उपग्रहों का निर्माण और प्रक्षेपण किया जाना है।

उल्लेखनीय हैं कि इन उपग्रहों में से पहला उपग्रह अगले वर्ष अप्रैल तक प्रक्षेपित किया जाना है और सभी 52 उपग्रहों को 2029 के अंत तक अंतरिक्ष में तैनात किया जाएगा। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इन उपग्रहों को लो अर्थ ऑर्बिट (लीओ) और जियोस्टेशनरी ऑर्बिट में जल्दी से जल्दी भेजने के लिए समयसीमा को कम किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि जिन तीन निजी कंपनियों को अनुबंध दिए गए हैं, उन्हें उपग्रह निर्माण की गति बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। बताया जा रहा है कि स्पेस-बेस्ड सर्विलांस के तीसरे चरण का उद्देश्य चीन और पाकिस्तान के बड़े हिस्सों के साथ-साथ हिंद महासागर क्षेत्र को भी कवर करना है, जिससे कम समय में निगरानी संभव हो सके और चित्रों की गुणवत्ता भी बेहतर हो।

इसके साथ ही, भारत सरकार अपने उपग्रहों की सुरक्षा ढाल भी तैयार कर रही है, क्योंकि चीन डायरेक्ट एसेन्ट एंटी-सैटेलाइट मिसाइलों, को-ऑर्बिटल सैटेलाइटों, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध उपकरण, और हाई-पावर्ड लेज़र जैसे डाइरेक्टेड एनर्जी वेपन्स को विकसित कर रहा है, जिससे वह अन्य देशों को अंतरिक्ष में प्रवेश करने से रोक सके। बता दें कि चीन का सैन्य अंतरिक्ष कार्यक्रम 2010 में केवल 36 उपग्रहों से शुरू होकर 2024 तक 1,000 से अधिक उपग्रहों तक पहुँच चुका है, जिसमें से 360 उपग्रह आईएसआर मिशनों के लिए समर्पित हैं।

इस महीने की शुरुआत में एक कार्यक्रम में आईडीएस प्रमुख एयर मार्शल अशुतोष दीक्षित ने भारत की निगरानी क्षमता को बढ़ाने की आवश्यकता पर बल देकर कहा था कि 'वास्तविक समय की स्थिति की जानकारी' संघर्षों में निर्णायक

भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा था, 'हमें संभावित खतरों का पता तब नहीं लगाना चाहिए जब वे हमारी सीमाओं पर पहुँचें, बल्कि जब वे दुश्मन के क्षेत्र में स्थित अपने स्टेजिंग क्षेत्रों, हवाई अड्डों पर हों, तभी से ट्रैकिंग शुरू हो जानी चाहिए।

इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में बराबरी के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। बर्मिंघम (ईएमएस)। भारतीय भारतीय क्रिकेट टीम यहां बुधवार से मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ शुरु हो रहे दूसरे टेस्ट मैच में जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम को पहले टेस्ट में पांच शतक लगाने के बाद भी खराब फील्डिंग के कारण हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच में अपनी कमजोरियों को दूर करना रहेगा। पहले टेस्ट में भारतीय टीम की ओर से तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ही सफल रहे थे। वहीं अन्य गेंदबाज विफल रहे थे जिसका भी नुकसान उसे उठाना पड़ा था। पांच मुकाबलों की सीरीज का पहला मैच हारने के बाद भारतीय टीम 1-0 से पीछे हैं। ऐसे में उसके लिए यह मुकाबला बेहद अहम है। उसे सीरीज में बराबरी के लिए इसे जीतना ही होगा। इस मैच के लिए मेजबान टीम ने कोई बदलाव नहीं किया है। वहीं भारतीय टीम बदलावों के साथ उतरेगी पर क्या बदलाव होंगे ये मैच से पहले ही पता चलेगा क्योंकि भारतीय टीम ने अभी तक अपने अंतिम ग्यारह खिलाड़ियों की घोषणा नहीं की है। भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज बुमराह को इस मैच में आराम दिया जाना है। ऐसे में उनकी जगह पर बांए हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह या आकाशदीप सिंह को शामिल किया जा सकता है। वहीं ऑलराउंडर स्थान कुलदीप यादव को अवसर मिलने की संभावना नहीं है। ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर पहले टेस्ट में प्रभावित नहीं कर पाये थे, ऐसे में उनकी जगह युवा नीतीश कुमार रेड्डी को भी टीम में शामिल किय जा सकता है।

बर्मिंघम में गर्म मौसम और सूखी पिच को देखते हुए इसमें स्पिनरों को सहायता मिल सकती है। ऐसे में भारतीय टीम दो स्पिनरों को अंतिम ग्यारह में जगह दे सकती है। ऐसे में अनुभवी रविंद्र जडेजा, कुलदीप यादव और वॉशिंगटन सुंदर में से दो को टीम में जगह मिल सकती है। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसर टीम प्रबंधन कुलदीप की जगह वॉशिंगटन सुंदर को शामिल कर सकता है।

एजबेस्टन क्रिकेट मैदान की बात करें, तो मैच की शुरुआत में पिच से गति और उछाल हासिल हो सकता है। ऐसे में सलामी बल्लेबाजों के लिए तेज गेंदबाजों का सामना करना आसान नहीं होगा। शुरुआत के दो दिन

भले ही ड्यूक गेंद से तेज गेंदबाजों को मदद मिलेगी, लेकिन तीसरे और चौथे दिन पिच बल्लेबाजी के लिए आसान हो सकती है। अगर बादल छाए रहे, तो तेज गेंदबाजों को मदद मिलेगी। यहां मुकाबले के दूसरे और तीसरे दिन पिच नरम हो जाती है, जबकि चौथे और पांचवें दिन पिच पर दरारें और खुरदरे पैच नजर आने लगते हैं, जिससे स्पिनरों को सहायता मिलती है। मौसम विभाग के अनुसार मैच के पहले दिन बारिश की आशंका है। यहां खेल शुरू होने से पहले मौसम खराब हो सकता है। वहीं दूसरे दिन बीच-बीच में बादल आने की आशंका है। मुकाबले के तीसरे दिन बादल छाए रह सकते हैं। चौथे-पांचवें दिन बारिश के कारण खेल में आ सकती है बाधा आ सकती है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारतीय टीम

शुभमन गिल (कप्तान), साईं सुदर्शन, यशस्वी जायसवाल, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, ऋषभ पंत, केएल राहुल, ध्रुव जुरेल, मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाशदीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, अभिमन्यु ईश्वरन, ।

इंग्लैंड अंतिम ग्यारह

बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोश टंग और शोएब बशीर।

आंकड़ों पर नजर डालें तो इस मैच में इंग्लैंड का पलड़ा भारी है। इसका कारण है कि एजबेस्टन के इस मैदान पर भारतीय टीम आज तक नहीं जीती है। इस मैदान पर दोनो टीमों के बीच आठ मैच खेले हैं। जिसमें सात मैच में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा जबकि एक मुकाबला ड्रॉ रहा है।

11 लोगों की मौत का मामला : भगदड़ के लिए आरसीबी जिम्मेदार, कैट ने कहा- पुलिस के पास जादुई शक्तियां नहीं हैं

बेंगलुरु (एजेंसी)। केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) ने चार जून को चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुई भगदड़ के लिए मंगलवार को प्रथम दृष्टया रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को जिम्मेदार पाया। इस भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी। आरसीबी की पहली आईपीएल खिताबी जीत के बाद टीम द्वारा विधान सौधा से विजय परेड और स्टेडियम में प्रशंसकों के साथ जश्न के कार्यक्रम की घोषणा के बाद स्टेडियम के पास एमजी रोड और कुब्बोन रोड इलाकों में लगभग ढाई लाख प्रशंसक उमड़ पड़े थे।

कैट ने कहा, 'इसलिए प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि लगभग तीन से पांच लाख लोगों के एकत्र होने के लिए RCB जिम्मेदार है। आरसीबी ने पुलिस से उचित अनुमति या सहमति नहीं ली।' कैट ने अपने अवलोकन में कहा, 'अचानक उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया जिसके परिणामस्वरूप लोग एकत्र हो गए।' आरसीबी ने चार जून की सुबह की परेड और प्रशंसकों के कार्यक्रम के बारे में अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किया था और न्यायाधिकरण ने पाया कि पुलिस विभाग के पास इतने कम समय में इतनी बड़ी भीड़ को संभालने के लिए पर्याप्त समय नहीं था।

कैट ने कहा, '04.06.2026 को समय की कमी के कारण, पुलिस उचित व्यवस्था करने में असमर्थ थी। पुलिस को पर्याप्त समय नहीं दिया गया। अचानक RCB ने बिना किसी पूर्व अनुमति के उपरोक्त प्रकार का बखेड़ा किया। पुलिस कर्मी भी इंसान हैं। वे न तो भगवान हैं और न ही जादूगर और न ही उनके पास 'अलाद्दीन का चिराग' जैसी जादुई शक्तियां हैं जो केवल उंगली रगड़ने से किसी भी इच्छा को पूरा कर सकती हैं।'

RCB प्रबंधन इस घटनाक्रम पर टिप्पणी करने के लिए उपलब्ध नहीं था। इससे पहले इस घटना के संबंध में RCB और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के खिलाफ आरोप लगाए गए थे जिसके कारण KSCS सचिव ए. शंकर और कोषाध्यक्ष जयराम ने इस्तीफा दे दिया था।

मंधाना आईसीसी रैंकिंग में तीसरे नंबर पर पहुंची

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की रैंकिंग में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग में एक स्थान के लाभ के साथ ही तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। मंधाना को इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी-20 की सीरीज के पहले मैच में शतक का लाभ मिला है। उस मैच में उन्होंने चोटिल हरमनप्रीत कौर की जगह कप्तानी करते हुए टीम को जीत दिलायी थी।

मंधाना ने 62 गेंद में 15 चौकों और तीन छक्कों के साथ 112 रन बनाए थे, जिसकी मदद से भारतीय टीम ने 97 रन से जीत हासिल की थी।

मंधाना के अब सबसे अधिक 771 रेटिंग अंक हो गये है। ये उनके करियर की सबसे बेतर रैंकिंग है। वहीं वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज 774 अंक लेकर दूसरे जबकि ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी 794 अंक के साथ पहले स्थान पर है। वहीं भारत की ही शेफाली वर्मा एक स्थान के लाभ के साथ ही 13वें जबकि हरलीन देयोल 86वें स्थान पर है। गेंदबाजों की रैंकिंग में इंग्लैंड की तेज गेंदबाज लौरेन बेल चौथे स्थान जबकि पाकिस्तान की स्पिनर सादियो इकबाल नंबर एक पर है।

दिल्ली प्रीमियर लीग में दो नई टीमें जुड़ी, ऋषभ पंत सहित 10 से अधिक आईपीएल खिलाड़ी नीलामी में

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (DDCA) ने मंगलवार को दूसरे सीजन से पहले दिल्ली प्रीमियर लीग (DPL) में दो नई पुरुष फ्रेंचाइजी जोड़ने की घोषणा की। आउटर दिल्ली फ्रेंचाइजी को सबसे अधिक बोली लगाने वाले सविता पेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम ने 10.6 करोड़ रुपए में हासिल किया। नई दिल्ली फ्रेंचाइजी को भीमा टोलिंग एंड ट्रैफिक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड और क्रेयॉन एडवरटाइजिंग लिमिटेड के कंसोर्टियम ने 9.2 करोड़ रुपए में खरीदा।

इससे लीग में पुरुष टीमों की संख्या 6 से बढ़कर आठ हो गई है। दो नई टीमें टूर्नामेंट के 2025 संस्करण के लिए छह मौजूदा फ्रेंचाइजी जिसमें सेंट्रल दिल्ली किंग्स, ईस्ट दिल्ली राइडर्स, नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स, पुरानी दिल्ली 6, साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज और वेस्ट दिल्ली लायंस शामिल हैं, हिस्सा लेंगी। सीजन 2 के लिए खिलाड़ियों की

नीलामी 6 और 7 जुलाई को राजधानी में होगी। पुरुषों की नीलामी 6 जुलाई को होगी, उसके बाद महिलाओं की नीलामी 7 जुलाई को होगी।

दिलचस्प बात यह है कि पुरुषों की नीलामी में कई बेहतरीन खिलाड़ी शामिल होंगे जिनमें ऋषभ पंत, इशांत शर्मा जैसे नामी खिलाड़ी और प्रियांश आर्य, आयुष बडोनी, हर्षित राणा, दिग्वेश राठी, हिम्मत सिंह, सुयश शर्मा, मयंक यादव और अनुज रावत जैसे उभरते सितारे शामिल हैं। DPL की वापसी पर बोलते हुए DDCA के अध्यक्ष रोहन जेटली ने कहा, 'दिल्ली प्रीमियर लीग सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं है, यह राजधानी की गहरी जड़ें जमाए क्रिकेट संस्कृति का जश्न है। सीजन 1 में हमने जिस तरह की प्रतिभा देखी, वह वाकई आशाजनक थी और इस विस्तार के साथ हम और भी ज़्यादा खिलाड़ियों को चमकने का मंच दे रहे हैं।'

उन्होंने कहा, 'प्रियांश आर्य, दिग्वेश राठी और कई अन्य प्रतिभाएं DPL के जरिए उभरीं और IPL 2025 के दौरान अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया जिससे भविष्य के सितारों के लिए लीग के महत्व को साबित किया जा सका। जुलाई में होने वाली नीलामी सीजन के लिए माहौल तय करेगी और हम यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि यह अनुभव फ्रैंचाइजी, खिलाड़ियों और प्रशंसकों के लिए समान रूप से सहज और प्रभावशाली हो। हम सीजन 2 को लीग की यात्रा में एक ऐतिहासिक क्षण बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

गौरतलब है कि डीपीएल का सीजन 2 एक बार फिर नई दिल्ली के प्रतिष्ठित अरुण जेटली स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। DDCA ने कहा कि खिलाड़ियों की नीलामी पूरी होने के बाद मैच की तारीखों और कार्यक्रमों की घोषणा की जाएगी।

स्मिथ को दूसरे टेस्ट के लिए वापसी की उम्मीद

ब्रिजटाउन । ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को उम्मीद है कि वह वेस्टइंडीज के खिलाफ ग्रेनेडा में होने वाले दूसरे टेस्ट तक फिट हो जाएंगे। स्मिथ आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के दौरान उंगली में लगी चोट के बाद से ही खेल से दूर हैं। इसी कारण वह वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला टेस्ट भी नहीं खेल पाये हैं। स्मिथ अब अपनी चोट से उबर गये हैं और नंबर 4 पर खेलने की तैयारी में लगे हैं। वह अपनी टीम के साथ भी जुड़ गये हैं। उनके अब अभ्यास सत्र में भी शामिल होने की संभावना है। जिससे वह अपनी लय हासिल कर सकें। स्मिथ को उनकी चोटिल उंगली के लिए एक पतली पट्टी लगाई जाएगी जिससे वह स्लिप में फील्डिंग नहीं कर पाएंगे पर बल्लेबाजी करते समय उन्हें शायद ही कोई परेशानी हो। स्मिथ ने कहा, मेरे लिए, यह सामान्य प्रशिक्षण की तरह ही महसूस होगा। मुझे वास्तव में कोई दर्द या कुछ भी महसूस नहीं होता है और पट्टी से भी अधिक परेशानी नहीं हो रही है हालांकि स्लिप की जगह पर अन्य जग हों पर फील्डिंग करना उनके लिए अजीब होगा। स्मिथ की ऑस्ट्रेलियाई टीम में वापसी का मतलब है कि रिजर्व बल्लेबाज जोश इंगलिस को बाहर बैठना होना पड़ेगा। जोस पहले टेस्ट में केवल 5 और 12 रन ही बना पाये थे। ऐसे में उनका बाहर होना तय है। उनके अलावा सैम कोंस्टास और नंबर 3 कैमरून ग्रीन भी असफल रहे थे। स्मिथ को उम्मीद है कि वह शीर्ष क्रम में फिर वापसी कर सकेंगे। वहीं उनका मानना ??है कि कोंस्टास और ग्रीन आगे इस सीरीज में अच्छा स्कोर करेंगे। स्मिथ ने कहा, ये लोग अच्छे खिलाड़ी हैं, हमें बस उन्हें एक मौका देने की जरूरत है।

संन्यास से पहले ये बड़ा काम करना चाहते हैं नाथन लियोन, भविष्य को लेकर बताया प्लान

सेंट जॉर्ज (ग्रेनाडा)। ऑस्ट्रेलिया के महान स्पिनर नाथन लियोन का टेस्ट क्रिकेट से निकट भविष्य में संन्यास का कोई इरादा नहीं है और वह इससे पहले भारत में एक टेस्ट श्रृंखला जीतना चाहते हैं। 37 वर्ष के आफ स्पिनर लियोन ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 138 टेस्ट में 556 विकेट लिए हैं। भारत के खिलाफ उन्होंने 32 टेस्ट खेलकर 130 विकेट चटकाए हैं लेकिन भारत में कभी भी श्रृंखला नहीं जीत सके। ऑस्ट्रेलिया ने 2004-05 के बाद भारत को उसकी धरती पर नहीं हराया है। लियोन ने 'क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू' से कहा, 'मैं भारत में श्रृंखला जीतना चाहता हूं। मैं इंग्लैंड में भी श्रृंखला जीतना चाहता हूं।'

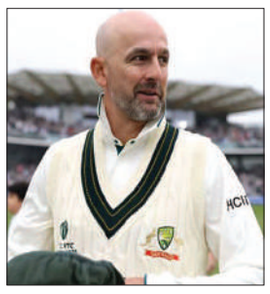

उन्होंने कहा, 'हमारे पास यह मौका होगा लेकिन हमें टेस्ट दर टेस्ट रणनीति बनानी होगी। हमें पहले यहां वेस्टइंडीज में शानदार प्रदर्शन करना है। इसके बाद एशेज खेलनी है। मेरी नजरें एक और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल पर भी है।' लियोन ने ऑस्ट्रेलियाई टीम में 'सांग मास्टर' का अपना काम विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी को सौंप दिया है जिन्होंने वेस्टइंडीज पर पहले टेस्ट में 159 रन से जीत के बाद यह जिम्मेदारी निभाई। ऑस्ट्रेलिया की हर जीत के बाद यह गीत 'अंडरनीथ द सदर्न क्रॉस' गाया जाता है जो सांग मास्टर शुरू करता है। रॉड मार्श ने यह परंपरा शुरू की और पूर्व बल्लेबाज माइकल हस्सी ने लियोन को यह जिम्मेदारी सौंपी थी। लियोन ने कहा, 'मैने 12 साल तक यह जिम्मेदारी निभाई। यह मेरे करियर की बड़ी उपलब्धि रही लेकिन इसे छोड़ने का मतलब यह कतई नहीं है कि मैं संन्यास ले रहा हूं।'

अर्शदीप सिंह नहीं, इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में बुमराह की जगह ले सकता है ये गेंदबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। लीड्स में करारी हार के बाद इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए शुभमन गिल की प्लेइंग इलेवन में फेरबदल होने की संभावना है। चौथी पारी में लंच के बाद प्रसिद्ध कृष्णा को छोड़ दें तो भारतीय गेंदबाजी आक्रमण एक बार फिर वन-मैन आर्मी रहा। भारत को पहले मैच में दबदबा बनाए रखने के बावजूद 5 विकेट से हार का सामना पड़ा था।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की तरह जसप्रीत बुमराह ने लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में भारत को प्रासंगिक बनाने के लिए संघर्ष किया। हालांकि उनके कार्यभार की समस्याओं को देखते हुए भारत उन्हें दूसरे टेस्ट के लिए आराम दे सकता है। लेकिन उनकी जगह कौन लेगा? ऐसा लगता है कि आकाश दीप सबसे आगे

हैं।

हर्षित राणा को टीम से जाने देने के बाद भारत के पास बेंच पर बहुत अधिक तेज गेंदबाजी विकल्प उपलब्ध नहीं हैं। आकाश दीप और अर्शदीप सिंह दो अच्छे विकल्प बने हुए हैं। चोट से उबरने के बावजूद आकाश दीप एक और हिट-द-डेक विकल्प प्रदान करता है और प्रसिध जैसे किसी खिलाड़ी के साथ साझेदारी में काम कर सकता है। इस बीच अर्शदीप के पास काउंटी क्रिकेट का अनुभव है और वह सीम और स्विंग निकालने में माहिर है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, दाएं हाथ के आकाश दीप के बुमराह की जगह लेने की संभावना सबसे अधिक है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'आकाशदीप को बुमराह की जगह लेने की संभावना है, न कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की।'

वहीं इंग्लैंड ने सोमवार को दूसरे टेस्ट के लिए अपनी प्लेइंग 11 की घोषणा कर दी है। इंग्लैंड ने अपनी टीम में कोई बदलाव नहीं किया है। जोफ्रा आर्चर जिसका टीम में शामिल होता लगभग तय था, वह परिवार में इमरजेंसी के कारण प्लेइंग 11 में जगह नहीं बना पाए।

दूसरे टेस्ट में सुदर्शन को शायद ही अवसर मिले, करुण बल्लेबाजी में तीसरे नंबर पर उतरेंगे !

बर्मिंघम । यहां बुधवार से शुरु हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम के बदलावों के साथ उतरने की संभावना है। इसमें पहले टेस्ट में विफल रहे बल्लेबाज साई सुदर्शन को दूसरे टेस्ट में शायद ही जगह मिले। वहीं बल्लेबाज करुण नायर को नंबर 3 पर भेजा जा सकता है। वहीं ऑलराउंडर शार्दुल की जगह नीतीश रेड्डी का खेलना तय है। शार्दुल पहले मैच में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो में ही विफल रहे थे, नीतीश गेंदबाजी के साथ ही बल्लेबाजी भी करते हैं। वहीं स्पिन ऑलराउंर के तौर पर रविन्द्र जडेजा के साथ वाशिंगटन सुंदर को अवसर मिल सकता है। स्पिनर कुलदीप यादव को अवसर मिलने की संभावना बेहद कम है क्योंकि सुंदर स्पिनर के साथ ही एक अच्छे बल्लेबाज भी हैं। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जाएगा। उनकी जगह पर आकाशदीप सिंह को अवसर मिल सकता है।

श्रेयस घर की गैलरी में मां के साथ क्रिकेट खेलते दिखे

मुम्बई । आईपीएल के इस सत्र में पंजाब किंग्स की कप्तानी करने वाले बल्लेबाज श्रेयस अय्यर का घर की गैलरी में मां के साथ क्रिकेट खेलने का एक प्यारा वीडियो आया है, इसमें श्रेयस मां की गेंदबाजी पर बोल्ड होते दिख रहे हैं। ये वीडियो पंजाब किंग्स ने साझा किया है। इससें लिखा है, केवल प्रकार से बोल्ड होने पर श्रेयस को बुरा नहीं लग रहा होगा। इस वीडियो पर प्रशंसकों ने भी कई मजेदार कॉमेंट्स किए हैं। एक ने लिखा है, गेंद हो या चप्पल, मां का निशाना कभी गलत नहीं होता। सोशल मीडिया में साझा किए गए इस वीडियो में दिख रहा है कि श्रेयर घर की गैलरी में बल्लेबाजी कर रहे हैं और गेंदबाजी उनकी मां के हाथों में है। पहली गेंद फुल टॉस और अय्यर उसे खेलने में सफल होते हैं पर दूसरी गेंद पर वह विफल हो जाते हैं। गेंद उनके बल्ले के पास से निकलकर स्टंप से टकरा जाती है। उसके बाद उनकी मां खुशी से दोनों हाथ हवा में उठाकर नाचने लगती हैं। बोलती हैं आउट। यह वीडियो जितना प्यारा है, उस पर प्रशंसकों ने भी उतना ही प्यार लुटाया है। इसके कॉमेंट भी काफी प्यारे और मजेदार हैं। एक प्रशंसक ने दिल के इमोजी के साथ लिखा, मां के जश्न को तो देखिए। एक अन्य ने लिखा, मां को कम मत समझिये वह हमेशा ही एक संपूर्ण गेंदबाज हैं।

मुख्यमंत्री मोहन यादव एमपीओए के मुख्य संरक्षक बने

-मेंदोला फिर बने एमपीओए के अध्यक्ष

भोपाल । मुख्यमंत्री मोहन यादव मध्यप्रदेश ओलंपिक संघ (एमपीओए) के मुख्य संरक्षक होंगे जबकि केबिनेट मंत्री कैलास विजयवर्गीय संरक्षक होंगे। वहीं रमेश मेंदोला एक बार फिर एमपीओए के अध्यक्ष बने हैं जबकि प्रशांत सिंह और विष्ण दत्त शुर्मा उपाध्यक्ष बने हैं। दिग्विजय सिंह को सचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मेंदोला और दिग्विजय अगले चार साल तक अपने-अपने पदों पर बने रहेंगे। वार्षिक सामान्य सभा की बैठक में पदाधिकारियों के नामों पर सर्वसम्मति से पदाधिकारियों के नामों पर सहमति बनी जबकि कोषाध्यक्ष के रूप में जीतू जिराती का नाम तय हुआ है। एमपीओए की वार्षिक सामान्य सभा की बैठक में 29 पदाधिकारियों के नाम घोषित किये गये । इस बैठक में सबसे पहले पिछले एजेंडे पर चर्चा-विमर्श किया गया और इसके बाद सदन की राय के बाद और नई कार्यकारिणी का गठन करते हुए पदाधिकारियों के नामों की घोष्णा की गयी। इसमें वर्तमान अध्यक्ष रमेश मेंदोला, सचिव दिग्विजय सिंह सहित 29 सदस्यीय शीर्ष पदाधिकारियों के नामों पर एक आम राय बनी। वही नई कार्यकारिणी में कोई अन्य बदलाव नहीं हुआ है। एमपीओए की इसव बैठक में एजीएम में अगले चार साल के लिए शीर्ष पदों के लिए निर्विरोध रूप से पदाधिकारियों के नामों पर मुहर लगी है। इसमें करीब 33 मध्य प्रदेश राज्य खेल संघों और 14 जिला ओलंपिक संघ के 80 से अधिक पदाधिकारी उपस्थित हुए। अब अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष समेत 29 पदाधिकारी एमपीओए का कामकाज संभालेंगे।

भारत को सीरीज में वापसी के लिए तुरंत जवाबी हमला करना होगा: रवि शास्त्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व कोच रवि शास्त्री ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे महत्वपूर्ण टेस्ट से पहले टीम इंडिया के लिए संदेश साझा करते हुए कहा कि शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम को पांच मैचों की सीरीज में वापसी के लिए तुरंत जवाबी हमला करना होगा। भारत को आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप सीरीज के पहले मैच में इंग्लैंड के खिलाफ हेडिंग्ले में 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा, जबकि उसने पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा था और अब एजबेस्टन में होने वाले मैच से पहले उसे जल्दी से जल्दी एकजुट होने की जरूरत है, क्योंकि इस मैच में जीत से यह तय हो सकता है कि एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी कौन जीतेगा।

शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू से कहा, 'भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वह तुरंत जवाबी हमला करे। जब आप इस तरह का टेस्ट मैच हारते हैं, जिसमें आप ज्यादातर समय हावी रहते हैं और फिर आखिरी दिन बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए हार जाते हैं और इंग्लैंड को अपना संयम बनाए रखने के लिए पूरे अंक मिलते हैं, तो सीरीज में वापसी करने के लिए आपको काफी जज्बे की जरूरत होती है।' अभी भी सवाल बना हुआ है कि क्या तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भारत दूसरे टेस्ट के लिए मौका देगा, क्योंकि उनके कार्यभार को मैनेज किया जा रहा है। शास्त्री ने कहा, 'अब, बुमराह खेलेंगे या नहीं, यह तो कोई नहीं जानता। लेकिन उम्मीद करते हैं कि वह खेलेंगे, क्योंकि यह बहुत महत्वपूर्ण टेस्ट मैच है और सब कुछ खत्म नहीं हुआ है। बस आपको एक बार में एक मैच पर ध्यान देना है। यह पांच मैचों की सीरीज है और भारत वापसी की उम्मीद कर रहा होगा।'

शास्त्री का मानना है कि नवनियुक्त कप्तान गिल ने सीरीज के पहले मैच में भारत की हार से बहुत कुछ सीखा होगा और उम्मीद है कि युवा कप्तान सीरीज के बाकी मैचों में अधिक सक्रिय रहेंगे। शास्त्री ने कहा, 'लोग कहते हैं कि वह थोड़ा प्रतिक्रियाशील था और ऐसा तब हो सकता है जब आप अपना पहला टेस्ट मैच (कप्तान के तौर पर) खेल रहे हों और खास तौर पर जब बल्लेबाजी के लिए अच्छी परिस्थितियां हों और आउटफील्ड तेज हो तो चीजें इस तरह से हो सकती हैं। लेकिन उसने इससे बहुत कुछ सीखा होगा और अब जब मौका आएगा तो वह थोड़ा और सक्रिय होना चाहेगा, जिसका मतलब है कि गेंदबाजों और क्षेत्ररक्षकों को उसे वह समर्थन देना होगा। उन्हें पता होना चाहिए कि उनकी भूमिका क्या है और उन्हें मैदान पर उतरकर उसे अंजाम देना चाहिए।'

नानी ने शुरू की द पैराडाइज की शूटिंग

साउथ स्टार नानी की आगामी फिल्म 'द पैराडाइज' अपनी घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। इस फिल्म को लेकर फैंस काफी उत्साहित हैं और फिल्म से जुड़ी हर एक अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। श्रीकांत ओडेला के निर्देशन में बन रही इस फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है।

नानी ने शुरू की शूटिंग

नानी की मच अवेटेड फिल्म 'द पैराडाइज' के फैंस के लिए खुशखबरी है। इस फिल्म की शूटिंग अब शुरू हो चुकी है। 21 जून से शुरू हुई फिल्म की शूटिंग में अब आज नानी भी शामिल हो गए हैं। आज नानी का शूटिंग पर पहला दिन था। बीते एक हफ्ते में टीम ने फिल्म की कहानी में बचपन के किरदारों से जुड़े हिस्से की शूटिंग की है। 'द पैराडाइज' नानी और निर्देशक श्रीकांत ओडेला की दूसरी फिल्म है। हैदराबाद में 40 दिन का शेड्यूल जारी है, जिसमें लीड कास्ट के साथ कुछ अहम सीन शूट किए जा रहे हैं।

मेकर्स ने शेयर की पोस्ट

मेकर्स की ओर से फिल्म से जुड़ी एक तस्वीर शेयर की गई है। सोशल मीडिया पर इस तस्वीर को शेयर करते हुए लिखा गया है 'धगड़ आ गया है।' इस तस्वीर में किसी का चेहरा नहीं दिख रहा है। सिर्फ एक पैर दिख रहा है। जिसमें पैंट और काले जूते नजर आ रहे हैं। जूतों में एक ब्रेसलेट जैसा कुछ पड़ा हुआ है। सामने एक शहर और कुछ झुग्गी झोपड़ियां नजर आ रही हैं। 26 मार्च 2026 को रिलीज होगी फिल्म 'द पैराडाइज' 26 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। फिल्म को हिंदी समेत कुल आठ भाषाओं तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम, बांग्ला, इंग्लिश और स्पेनिश में रिलीज किया जाएगा।

'हिट 3' में नजर आए थे नानी

एक्टर नानी की बात करें तो वो इसी साल रिलीज हुई फिल्म 'हिट 3' में नजर आए थे। इस फिल्म में उनके साथ श्रीनिधि शेट्टी प्रमुख भूमिका में नजर आई थीं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी और इसे दर्शकों व क्रिटिक्स दोनों ने सराहा था।

बिहार में फिल्म शूट करना चाहती हैं मल्लिका शेरावत

एक्ट्रेस मल्लिका शेरावत शुक्रवार को पहली बार बिहार की राजधानी पटना पहुंचीं, जहां उन्होंने कहा कि वह रवि किशन की फैन हैं और मौका मिलने पर बिहार में फिल्म बनाएंगी। मल्लिका शेरावत ने बताया, मैं पहली बार बिहार आई हूं और यहां पर मुझे हर जगह एक्सप्लोर करना है। राज्य में हुए विकास को लेकर एक्ट्रेस ने कहा, बिहार काफी डेवलप हो चुका है। मैं एयरपोर्ट देखकर बहुत ही खुश और हैरान हूं कि इतना अच्छा एयरपोर्ट बना है। सड़कें और यहां के विकास को देखकर खुश हूं। कई शानदार फिल्मों में काम कर चुकीं मल्लिका ने बताया कि वह अभिनेता रवि किशन की प्रशंसक हैं और उनके साथ काम भी करना चाहती हैं। उन्होंने बताया, मुझे बिहार और यहां के कलाकार काफी पसंद हैं। मैं रवि किशन की फैन हूं और मौका मिला तो जरूर फिल्म बनाना चाहूंगी। मल्लिका हरियाणा के रोहतक से हैं। उनका असली नाम रीमा लांबा है। एक्ट्रेस के पिता चाहते थे कि वह आईएएस ऑफिसर बनें, लेकिन उन्होंने एक्टिंग को अपना करियर बनाया। मल्लिका शेरावत कई शानदार फिल्मों में काम कर चुकी हैं, जिनमें मर्डर, ख्वाहिशें, बचकर रहना रे बाबा, डर्टी पॉलिटिक्स, वेलकम, प्यार के साइड इफेक्ट्स, डबल धमाल, जीनत जैसी फिल्में शामिल हैं। वह कई हॉलीवुड फिल्म द मिथ, पॉलिटिक्स ऑफ लव और टाइम रेडर्स में भी काम कर चुकी हैं। हाल ही में मल्लिका शेरावत, राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी के साथ विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में नजर आई थीं। इस फिल्म के जरिए मल्लिका ने लंबे समय के बाद कमबैक किया था।

डेब्यू के समय ऋतिक से तुलना पर अभिषेक बच्चन बोले

अभिषेक बच्चन और ऋतिक रोशन ने फिल्म इंडस्ट्री में अपनी शुरुआत एक साथ ही साल 2000 में की थी। ऋतिक की फिल्म कहो ना प्यार है ब्लॉकबस्टर हुई, वहीं अभिषेक और करीना की फिल्म रिफ्यूजी फ्लॉप हो गई। अब इंटरव्यू में अभिषेक ने ऋतिक संग तुलना पर बात की। बातचीत में अभिषेक बच्चन से पूछा गया कि क्या ऋतिक रोशन के साथ एक ही समय पर डेब्यू करने पर उन्हें कभी उनसे जलन महसूस हुई। इसके जवाब में अभिषेक ने कहा, हां हमारी तुलना होती थी। लेकिन एक नए कलाकार के तौर पर मुझे कभी भी जलन महसूस नहीं हुई। मैंने कभी इसे उस नजरिए से नहीं देखा, क्योंकि मैंने कभी किसी को अपना मुकाबला नहीं समझा। और मैं ये घमंड से नहीं कह रहा, बल्कि इस सोच से कह रहा हूं कि मैं जो करता हूं, वो कोई और नहीं कर सकता और जो आप करते हैं, वो मैं नहीं कर सकता, क्योंकि मैं जैसा हूं, वैसा कोई और नहीं हो सकता। कलाकारों की तुलना करना मुझे ठीक नहीं लगता, क्योंकि यह कला के खिलाफ है। अब किसे पसंद करना है, वो आपकी अपनी पसंद है। अभिषेक ने आगे कहा, मैं इसका एक उदाहरण कला से देता हूं। मेरे दो पसंदीदा पेंटर सुभाष आवचट और परेश मैती हैं। मैं दोनों को बहुत पसंद करता हूं, लेकिन यह कहना मुश्किल है कि इनमें से कौन बेहतर है, क्योंकि कला सबके अपने नजरिए की बात होती है। किसी को एक कलाकार ज्यादा पसंद आ सकता है, लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि वह दूसरे से बेहतर है। ऐसा कहना उनके अलग-अलग काम और शैली का अनादर होगा। अभिषेक का मानना है कि यही बात एक्टर्स पर भी लागू होती है। ऋतिक रोशन के साथ अमीषा पटेल ने भी डेब्यू किया था। अभिषेक ने ऋतिक की तारीफ करते हुए कहा, 'ऋतिक एक शानदार एक्टर हैं और मेरे अच्छे दोस्त भी। मैं सच में बहुत खुश हूं कि उन्होंने अब तक जितना कुछ हासिल किया है और जो आगे भी कर रहे हैं, वो काबिल-ए-तारीफ है। लेकिन उससे भी ज्यादा, मैं उन्हें इंसान के तौर पर पसंद करता हूं।'

हुमा ने दो दिन में शूट किया 'मालिक' का गाना, एक पैसा भी नहीं लिया

राजकुमार राव की बहुप्रतीक्षित फिल्म मालिक में हुमा कुरैशी दिल थाम के गाने में नजर आई हैं। यह गाना अभी कुछ दिनों पहले ही रिलीज हुआ था, जिसमें एक्ट्रेस के डांस मूव्स और लुक्स को दर्शकों द्वारा खूब पसंद किया गया। अब हुमा कुरैशी ने इस सॉन्ग को लेकर कुछ खुलासे किए हैं। आइए जानते हैं अभिनेत्री ने क्या कहा।

गाने के लिए नहीं ली एक भी फीस

हुमा कुरैशी हाल ही में एक इंटरव्यू में शामिल हुईं, जहां उन्होंने बताया कि दिल थाम के सॉन्ग को जब डायरेक्टर ने सुनाया तो उन्हें पंसद आ गया। इसके बाद उन्होंने कहा कि फिल्म में शूटिंग करना दोस्तों के साथ काम करने जैसा लगा, इसलिए उन्होंने गाने के लिए हां कह दिया। आगे एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने इस गाने के लिए एक भी पैसा नहीं लिया। हुमा ने कहा, 'दोस्तों से कैसे पैसे ले सकते हैं? यह सिर्फ दो दिनों की शूटिंग थी, इसलिए मुझे लगा कि पैसे लेना वास्तव में जरूरी नहीं है।'

16 घंटे करने पड़ा काम

आगे बातचीत में अभिनेत्री ने कहा, 'मैं यह कहकर चले जाने में विश्वास नहीं करती कि मेरी शिफ्ट खत्म हो गई है। मेरी कंडीशनिंग ऐसी है कि अगर मैं काम पर हूं, तो मैं अपना काम खत्म करूंगी और फिर चली जाऊंगी। तो हां, एक दिन यह 16 घंटे तक चला, लेकिन इसकी योजना नहीं थी।'

हुमा कुरैशी का वर्कफ्रंट

फिल्म 'मालिक' के आइटम सॉन्ग के अलावा हुमा कुरैशी कई और प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगी। वह फिल्म 'जॉली एलएलबी 3', 'टॉक्सिक', 'पूजा मेरी जान' और 'गुलाबी' जैसी फिल्मों का हिस्सा हैं। कुछ फिल्में इस साल तो कुछ अगले साल रिलीज होंगी। इसके साथ ही आपको बताते चलें कि वह महारानी 4 में नजर आने वाली हैं।

रवि किशन ने बताया कौन है उनका पसंदीदा अभिनेता

अभिनेता रवि किशन इंडस्ट्री का एक जाना-पहचाना नाम हैं। रवि किशन की गिनती अब इंडस्ट्री के सीनियर एक्टर्स में होती है। उनके डायलॉग और उनकी स्टाइल लोगों को काफी पसंद आती है। लेकिन रवि किशन का पसंदीदा अभिनेता कौन है? इसको लेकर उन्होंने जवाब दिया। रवि किशन ने बताया कि उनके जीवन में कई अभिनेताओं ने अपना अलग-अलग प्रभाव छोड़ा है। एक्टर ने कहा कि मुझे बलराज साहनी ने काफी प्रभावित किया है। उनका अभिनय कमाल का है। इसके अलावा रवि किशन ने दिलीप कुमार, अमिताभ बच्चन, नसीरुद्दीन शाह, शाहरुख खान और इरफान खान जैसे अभिनेताओं का भी जिक्र किया। एक्टर ने कहा कि ये अभिनेता भी मुझे काफी पसंद हैं। इन सभी कलाकारों से कुछ न कुछ सीखने को मिला है। रवि किशन का कहना है कि हर किरदार से कुछ न कुछ सीखने को मिलता रहता है।

दिलजीत दोसांझ के सपोर्ट में उतरे इम्तियाज अली

फिल्म सरदार जी 3 में पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर की कास्टिंग को लेकर दिलजीत दोसांझ विवादों में हैं। फिल्म संगठन लगातार उन्हें बॉर्डर 2 से हटाने की मांग कर रहे हैं। इस पूरे विवाद के बीच अब फिल्ममेकर इम्तियाज अली दिलजीत के समर्थन में सामने आए हैं। उन्होंने कहा दिलजीत में देशभक्ति का जज्बा पूरी तरह से भरा हुआ है। बातचीत में इम्तियाज अली ने कहा, 'मैं इस विवाद पर ज्यादा कुछ नहीं कह सकता। लेकिन क्योंकि मैं दिलजीत को जानता हूं और मैं यकीन से कह सकता हूं कि उसमें देशभक्ति का जज्बा पूरी तरह से भरा हुआ है। वह जमीन से जुड़ा हुआ इंसान है। आप उसके हर कॉन्सर्ट में देख सकते हैं। वह हमेशा भारतीय झंडे के साथ मंच पर आता है।' इम्तियाज ने आगे कहा कि दिलजीत एक सच्चे इंसान हैं और किसी भी तरह की दिखावेबाजी या बनावटीपन से दूर रहते हैं। वे कोई भी काम किसी के कहने पर नहीं, बल्कि अपने दिल की आवाज़ सुनकर करते हैं। हर कॉन्सर्ट के अंत में वे गर्व से अपने पंजाबी होने का जिक्र करते हैं और भारतीय झंडा थामे देश के प्रति अपने सच्चे प्रेम को व्यक्त करते हैं। 'सरदार जी 3' में हानिया आमिर की कास्टिंग को लेकर उठे विवाद पर बात करते हुए इम्तियाज ने कहा कि कलाकार खुद कास्टिंग के फैसलों के लिए जिम्मेदार नहीं होते। उन्होंने कहा कि जो लोग दिलजीत की सच्चाई को समझते हैं, वे उनकी असली देशभक्ति को जरूर महसूस करेंगे।

कृष्णा श्रॉफ से लेकर करण कुंद्रा तक, रियलिटी टीवी आइकॉन जिनकी वापसी की उम्मीद

कृष्णा श्रॉफ, निया शर्मा, रित्विक धनजानी और भी कई सितारे जिन्होंने रियलिटी टीवी पर छोड़ी गहरी छाप, और वे वापसी के बिल्कुल हकदार हैं। कभी फियरलेस तो कभी फैन-फेवरेट- कृष्णा श्रॉफ, तेजस्वी प्रकाश, एली गोनी, ऋत्विक धनजानी, करण कुंद्रा और निया शर्मा ने रियलिटी टीवी पर राज किया और अब उनकी वापसी बनती है।

रियलिटी टीवी ने हमें कुछ ऐसे चेहरे दिए हैं जिन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता। इन सितारों ने हर एपिसोड में जोश, जज़्बा, जीतने की चाह और जबरदस्त एनर्जी भरी जो अब तक दर्शकों के दिलों में बसी है। चाहे कृष्णा श्रॉफ हो या निया शर्मा, तेजस्वी प्रकाश, करण कुंद्रा, अली गोनी या फिर ऋत्विक धनजानी — जब भी ये सितारे किसी रियलिटी शो का हिस्सा बने, मीडिया और दर्शक दोनों ही उनके स्टाइल, स्ट्रैटेजी और स्क्रीन प्रेजेंस के दीवाने हो गए। और बार-बार, नेटिज़ेंस चाहते हैं कि ये नाम नए रियलिटी शो के स्क्रीन पर वापस आएं और अधिक रियलिटी कंटेंट में भाग लें।

कृष्णा श्रॉफ: उन्होंने खतरों के खिलाड़ी में अपने निडर एटीट्यूड और फिटनेस फर्स्ट पर्सनैलिटी से ज़बरदस्त और प्रभावशाली छाप छोड़ी। और प्रशंसक अब स्क्रीन पर उनकी वही डैयरिंग और एनर्जेटिक मौजूदगी देखना चाहते हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि चाहे वो एक धमाकेदार एंट्री हो या वाइल्ड कार्ड के ज़रिए वापसी करें।

निया शर्मा: बोल्ड, बेबाक और हमेशा देखने लायक निया शर्मा ने खतरों के खिलाड़ी और झलक दिखला जा जैसे शोज़ में खुद का एक अलग मुकाम बनाया। उनका नो-फिल्टर एप्रोच आज भी फैंस को आकर्षित करता है, और उनकी वापसी की मांग लगातार बढ़ रही है।

तेजस्वी प्रकाश: उनकी दिल जीत लेने वाली और रिलेटेबल पर्सनैलिटी ने खतरों के खिलाड़ी और बिग बॉस में उन्हें एक ब्रेकआउट स्टार बना दिया। फैंस ने तुरंत उनके नैचुरल चार्म से कनेक्ट कर लिया। तेजस्वी की रियलिटी टीवी पर वापसी कुछ ऐसी है जिसके लिए उनके बड़े प्रशंसक ऑनलाइन अभियान चला रहे हैं, खासकर बिग बॉस की ट्रॉफी जीतने के बाद।

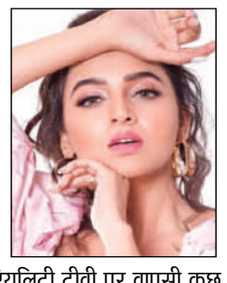

करण कुंद्रा: शांत लेकिन प्रभावशाली करण कुंद्रा ने बिग बॉस में अपनी पंजाबी एनर्जी और संतुलित व्यक्तित्व से दर्शकों का दिल जीत लिया। फैंस को अब उनकी एक सोलो वापसी, या यहां तक कि एक नए अवतार में, कुछ ऐसा है जिसे प्रशंसक उत्सुकता से इंतजार कर रहे हैं, क्योंकि उनका मानना है कि केके ने अभी तक अपनी पूरी रियलिटी टीवी क्षमता नहीं दिखाई है।

एली गोनी: उनकी भावनात्मक रूप से खुले और मज़ाकिया अंदाज़ के साथ अली गोनी बिग बॉस में छा गए थे। चाहे राहुल वैद्य और जैस्मिन भसीन के साथ उनकी बॉन्डिंग हो या उनकी ईमानदारी फैंस आज भी उनके उन पलों को याद करते हैं। उनकी वापसी की मांग आज भी उतनी ही ताज़ा है।

ऋत्विक धनजानी: बेजोड़ करिश्मा और बहुमुखी प्रतिभा के साथ ऋत्विक ने झलक दिखला जा से लेकर खतरों के खिलाड़ी तक हर फॉर्मेट में जान डाल दी। उनके चार्म, गुड लुक्स और चुटीले अंदाज़ को लेकर फैंस हमेशा उत्साहित रहे हैं। हर शो में उन्होंने 100% दिया है, और दर्शकों की राय में उनके बिना रियलिटी शो अधूरा लगता है।

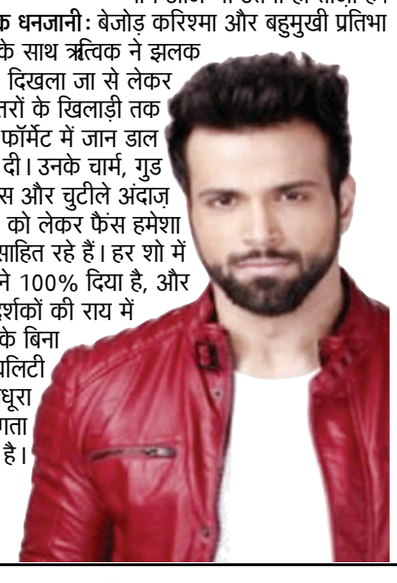

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।